राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 319 | गुरूवार 13 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं०. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

हरियाणा में बजा भाजपा डंका

10 में से 9 निगमों में भाजपा की जीत, मानेसर में निर्दलीय ने मारी बाजी

चंडीगढ़। हरियाणा के 10 नगर निगमों के मेयर चुनाव के नतीजे आने शुरू हो गए हैं। मानेसर निगम में निर्दलीय उम्मीदवार डॉ. इंद्रजीत यादव ने जीत दर्ज की। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार सुंदर लाल को हराया। इंद्रजीत यादव ने खुद को केंद्रीय राज्यमंत्री व गुरुग्राम से भाजपा सांसद राव इंद्रजीत की करीबी बताकर प्रचार किया था। वहीं, भाजपा रोहतक, हिसार, करनाल, अंबाला, सोनीपत और फरीदाबाद नगर निगम में मेयर का चुनाव जीत गई है। कांग्रेस सभी निगमों में पीछे है। कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट के विधानसभा क्षेत्र जुलाना की नगर पालिका में चेयरमैन पद के लिए भाजपा के डॉ. संजय जांगड़ा ने जीत दर्ज की है। फतेहाबाद जिले की जाखल मंडी नगर पालिका में निर्दलीय उम्मीदवार विकास कुमार चेयरमैन बन गए हैं।

रोहतक में भाजपा ने दी कांग्रेस को मात

नगर निगम मेयर के चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस को करारी शिकस्त दी है। तीन बार कलानौर हलके से विधानसभा चुनाव हार चुके पार्टी के मेयर प्रत्याशी रामअवतार वाल्मीकि ने कांग्रेस प्रत्याशी सूरजमल किलोई को 45 हजार 191 हजार वोटों के अंतर से मात दी। खास बात यह रही कि लोकसभा व विधानसभा चुनाव में जाट बाहुल्य वार्डों में जहां कांग्रेस ने जीत हासिल की थी, वहां भाजपा मेयर चुनाव में भारी पड़ी। नॉन जाट बाहुल्य वार्डों में तो कांग्रेस को करारी हार मिली है। 13 राउंड चली मतगणना में कांग्रेस भाजपा को एक भी राउंड में नहीं हरा सकी।

हाईकोर्ट ने एनआईए से मांगा जवाब- आखिर सांसद राशिद को बजट सत्र में शामिल होने क्यों नहीं दी जाए पैरोल

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को एनआईए से जेल में बंद जम्मू-कश्मीर के सांसद इंजीनियर राशिद की कस्टडी पैरोल याचिका पर जवाब मांगा। राशिद ने संसद के चल रहे बजट सत्र में भाग लेने के लिए पैरोल मांगी है। बता दें कि सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो चुका है और 4 अप्रैल तक जारी रहेगा। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और रजनीश कुमार गुप्ता की युगलपीठ ने नोटिस जारी करते हुए 18 मार्च को अगली सुनवाई की तारीख तय की। कोर्ट ने कहा कि नोटिस जारी करें। अगर कोई आपत्ति हो तो एनआईए सोमवार तक जवाब पेश करें। मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें।

तेलंगाना विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस ने अभिनेत्री विजयशांति को मैदान में उतारा

हैदराबाद । तेलंगाना विधान परिषद चुनाव बेहद दिलचस्प होने वाला है। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख से ठीक पहले कांग्रेस और सीपीआई ने अपने चार उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। खास बात है कि कांग्रेस ने लेडी अमिताभ के नाम से मशहूर अभिनेत्री विजयशांति को मैदान में उतारा है। एमएसएल कोटे के तहत पांच एमएलसी सीटों के लिए 20 मार्च को चुनाव होने हैं। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तीन एमएलसी सीटों के लिए अड्डंकी दयाकर, केथावत शंकर नायक और विजयशांति के नामों पर मुहर लगा दी। साथ ही, उन्होंने सहयोगी पार्टी सीपीआई को एक सीट आवंटित की। कुछ ही घंटों बाद, सीपीआई ने राज्य कार्यकारी सदस्य एन सत्यम को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया।

नौसेना के लिए भारत 26 नए राफेल विमान की खरीदी करेगा

-दसॉ एविएशन भारत में असेंबली लाइन लगाने की तैयारी में

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना फ्रांस की राफेल से अपने पुराने मिग 29 लड़ाकू विमानों को बदलने की तैयारी में है। नौसेना के लिए भारत 26 नए राफेल विमान की खरीदी करेगा। इस सौदे की आधिकारिक घोषणा अप्रैल 2025 में होने की उम्मीद है, जब फ्रांसिसी रक्षा मंत्री भारत आएंगे। पूरे सौदे की कीमत करीब 7.6 अरब डॉलर होगी। ये नए राफेल एम विमान, पुराने एमआईजी-29के और एमआईजी-29 केयूबी विमानों की जगह लेने वाले है। ये पुराने विमान अभी नौसेना के 300 स्क्वाड्रन व्हाइट टाइगर्स और 303 स्क्वाड्रन ब्लैक पैंथर्स में इस्तेमाल हो रहे हैं। नए राफेल जेट आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य नाम के एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भर सकते है। ये विशाल जहाज समुद्र में तैरते हुए हवाई अड्डे की तरह होते हैं। इन 26 राफेल विमानों में से 22 राफेल एम विमान है। ये खासतौर पर एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भरने के लिए डिजाइन किए गए हैं। बाकी के चार विमान राफेल बी ट्रेनर विमान है। ये दो सीट वाले विमान होते हैं, जिनका इस्तेमाल पायलटों को प्रशिक्षण देने के लिए होता है। ट्रेनर विमान एयरक्राफ्ट कैरियर से नहीं उड़ सकते। इन नए विमानों की डिलीवरी 2029 में शुरू होगी। राफेल विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन भारत में अपनी एक असेंबली लाइन लगाने पर भी काम कर रही है। इसका मतलब है कि कुछ राफेल विमान भारत में ही बनाए जाएंगे।

मॉरीशस संसद की नई इमारत के निर्माण में भारत करेगा सहयोगः पीएम मोदी

पोर्ट लुईस/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत एवं मॉरीशस ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 'विस्तारित रणनीतिक साझीदारी' का दर्जा देने के साथ स्थानीय मुद्राओं में कारोबार करने एवं आर्थिक अपराधियों को पकड़ने सहित आठ क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के करारों पर आज हस्ताक्षर किये और भारत ने उपहार के रूप में मॉरीशस की संसद के नये भवन का निर्माण कराने की घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय बैठक के बाद दोनों प्रधानमंत्रियों की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच इन समझौतों पर हस्ताक्षर के बाद आदान-प्रदान किया गया। दोनों नेताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी लोकसेवा एवं नवान्वेषण संस्थान, केप मल्हेरो में मॉरीशस क्षेत्रीय स्वास्थ्य केन्द्र तथा 20 अन्य सामुदायिक परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया जिन पर कुल 35.2 करोड़ मौरिशियन रुपए (6.63 करोड़ भारतीय रुपए) की लागत आयी है। इसके अलावा भारत ने मॉरीशस को सैंट ब्रेंडन द्वीप के नौवहन चार्ट को सौंपा जिसे भारतीय नौसेनिक पोत ने हाइड्रोग्राफी सर्वेक्षण के बाद तैयार किया है।

भारत और मॉरीशस ने आज जिन आठ सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए हैं, उनमें स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली पर मॉरीशस के केंद्रीय बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक के बीच सहमति पत्र, पाइप प्रतिस्थापन कार्यक्रम के तहत केंद्रीय जल प्राधिकरण द्वारा कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए मॉरीशस सरकार और भारतीय स्टेट बैंक के बीच ऋण सुविधा समझौते पर सहमति पत्र, राजनयिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भारतीय विदेश सेवा संस्थान और मॉरीशस के विदेश मामलों, क्षेत्रीय एकीकरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्रालय के बीच सहमति पत्र, भारतीय नौसेना और मॉरीशस पुलिस बल के बीच व्हाइट शिपिंग सूचना के आदान-प्रदान पर तकनीकी समझौता, मॉरीशस के वित्तीय अपराध आयोग और भारत के प्रवर्तन निदेशालय के बीच समझौता ज्ञापन, मॉरीशस के उद्योग एसएमई और सहकारिता मंत्रालय और भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के बीच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन, मॉरीशस के लोक सेवा और प्रशासनिक सुधार मंत्रालय और भारत के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के बीच लोक अधिकारियों के प्रशिक्षण पर समझौता ज्ञापन तथा भारत के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र और मॉरीशस के प्रधान मंत्री कार्यालय के महाद्वीपीय शेल्फ, समुद्री क्षेत्र प्रशासन और अन्वेषण विभाग के बीच समझौता ज्ञापन शामिल हैं।

समझौता ज्ञापनों के आदान प्रदान के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में श्री मोदी ने अपने संबोधन में 140 करोड़ भारतीयों की ओर से मॉरीशस के सभी नागरिकों को उनके राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा, 'ये मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है कि मुझे दोबारा मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस पर आने का अवसर मिल रहा है। भारत और मॉरीशस का संबंध केवल हिंद महासागर से ही नहीं, बल्कि हमारी साझी सांस्कृतिक परंपराओं और मूल्यों से भी जुड़ा है।हम आर्थिक और सामाजिक प्रगति की राह पर एक दूसरे के साथी हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा हो या कोविड की विपदा, हमने हमेशा एक दूसरे का साथ दिया है। रक्षा हो या शिक्षा, स्वास्थ्य हो या अंतरिक्ष, हम हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में हमने अपने संबंधों में

कई नए आयाम जोड़े हैं। विकास सहयोग और क्षमता निर्माण में नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने कहा, 'आज, प्रधानमंत्री नवीन चंद्र रामगुलाम और मैंने भारत-मॉरीशस साझीदारी को 'विस्तारित रणनीतिक साझीदारी' का दर्जा देने का निर्णय लिया है। हमने निर्णय लिया कि मॉरीशस में संसद का भवन बनाने में भारत सहयोग करेगा। यह लोकतंत्र की जननी की ओर से मॉरीशस को भेंट होगी।'

भारत और मॉरीशस ने 8 एमओयू पर किए हस्ताक्षर, रणनीतिक, आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर

पोर्ट लुईस/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मॉरीशस के समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम की उपस्थिति में बुधवार को आठ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। ये अपराध जांच, समुद्री यातायात निगरानी, बुनियादी ढांचा कूटनीति, वाणिज्य, क्षमता निर्माण, वित्त और महासागर अर्थव्यवस्था सहित कई क्षेत्रों से संबंधित हैं। संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डाला। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत-मॉरीशस का सबंध, केवल हिंद महासागर से नहीं बल्कि हमारी साझी सांस्कृतिक परंपराओं और मूल्यों से भी जुड़ा है, हम आर्थिक और सामाजिक प्रगति की राह पर एक दूसरे के साथी हैं, प्राकृतिक आपदा हो या कोविड विपदा हमने हमेशा एक दूसरे का साथ दिया है, रक्षा हो या शिक्षा, स्वास्थ्य हो या स्पेस हम हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। पिछले दस वर्षों में हमने अपने संबंधों में कई नए आयाम जोड़े हैं।' प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को ऐलान किया कि भारत मॉरीशस में संसद की नई बिल्डिंग बनाने में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि यह 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' की ओर से मॉरीशस को भेंट होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 卐अगले पांच वर्षों में भारत में मॉरीशस के 500 सिविल सर्वेंट को को ट्रेनिंग दी जाएगी। हमारे बीच लोकल करेंसी में आपसी व्यापार का सेटलमेंट करने पर भी सहमति बनी है।' पीएम मोदी ने मॉरीशस के सभी नागरिकों को राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है कि मुझे दोबारा मॉरीशस के नेशनल डे पर आने का अवसर मिल रहा है। इसके लिए मैं प्रधान मंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम जी और मॉरीशस सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। बता दें प्रधानमंत्री मोदी 11-12 मार्च तक मॉरीशस की दो दिवसीय यात्रा पर हैं।

बीएसएफ जवानों का वाहन खाई में गिरा, 3 की मौत, 13 घायल

-मणिपुर में बेस कैंप लौट रहा वाहन हुआ हादसे का शिकार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के सेनापति जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जहां बीएसएफ जवानों को ले जा रहा एक वाहन गहरी खाई में गिर गया। इस दुर्घटना में 03 जवानों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी अनुसार मणिपुर के सेनापति जिले में बीएसएफ जवानों को ले जा रही गाड़ी अचानक खाई में जा गिरी। इस हादसे में 03 जवानों की मौत हो गई, जबकि 13 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा इंफाल-दीमापुर नेशनल हाईवे पर चांगौबंग गांव के करीब शाम 4 बजे हुआ। हादसे का शिकार हुए सभी जवान एक ही बटालियन के बताए गए हैं। इनकी तैनाती नगालैंड के झादिमा में रही जबकि मणिपुर के हालात बिगड़ने के बाद इन्हें राज्य में तैनात किया गया था। बताया जा रहा है कि हादसा तब हुआ जबकि जवान अपनी क्यूआरटी ड्यूटी पूरी करने के बाद कांगपोकपी से

आईआईआईटी, मयांगखांग स्थित बेस कैंप में वापस लौट रहे थे। सूत्रों की मानें तो गाड़ी ओवरलोडेड थी, और चालक का संतुलन बिगड़ जाने के बाद वाहन गहरी खाई में गिर गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और सुरक्षाबल मौके पर पहुंचे। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच के आदेश दे दिए हैं।

कांग्रेस का पीएम मोदी से सीधा सवाल, मॉरीशष के बाद मणिपुर कब जाएंगे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉरीशस यात्रा को लेकर उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके पास बार-बार विदेश यात्रा का समय है, जबकि मणिपुर के लोग अब भी उनकी यात्रा का इंतजार कर रहे हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री का लगभग दो साल से मणिपुर का दौरा नहीं करना वास्तव में राज्य के लोगों का अपमान है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री अभी मॉरीशस के लिए रवाना हुए हैं। लेकिन मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि मणिपुर के लोग प्रधानमंत्री की यात्रा का इंतजार कर रहे हैं। रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री का मणिपुर नहीं जाना राज्य के लोगों का अपमान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर मॉरीशस पहुंचे। इस दौरान वह देश के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और

शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। मोदी की यह यात्रा मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के निमंत्रण पर हो रही है। यात्रा के दौरान दोनों देश दक्षता विकास, व्यापार और सीमा पार वित्तीय अपराधों से निपटने के क्षेत्रों में सहयोग के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। उधर, कांग्रेस पार्टी की तेजतर्रार प्रवक्ता अलका लांबा ने आस्ट्रेलिया में रहने वाले बलात्कार आरोपी बालेश धनखड के साथ प्रधानमंत्री के फोटो का मामला उठाया। बालेश को स्थानीय कोर्ट ने बलात्कार संबंधित आरोपों की सुनवाई करते हुए 40 साल की सजा सुनाई है। अल्का लांबा ने फोटो के आधार पर बालेश धनखड जैसे अपराधी मानसिकता वाले लोगों के साथ भाजपा के सर्वोच्च नेताओं के साथ तस्वीरों पर सवाल उठाते हुए सफाई मांगी। उससे पहले अलका लांबा ने दिल्ली पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें संसद के समीप विजय चौक पर मीडिया से बात करने पर मना किया गया। उन्हें घंटों रोका गया। कहा गया कि विजय चौक से सिर्फ सांसद बात कर सकते हैं मीडिया के साथ। अलका ने कहा कि दिल्ली पुलिस के जवान मुझसे लगातार सवाल कर रहे थे कि वो मीडिया से क्या बात करने जा रही हैं? उन्होंने सवाल उठाये ऐसा आखिर किसके इशारे पर किया जा रहा है? क्यों किया जा रहा है? ये कैसा लोकतंत्र है?

अलका लांबा ने कहा कि भाजपा के पूर्व सांसद प्रज्जवल रेवन्ना बलात्कार के आरोप में जेल की सलाखों के पीछे हैं। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस सालभर बीत जाने के बाद भी पूछताछ करने की हिम्मत नहीं दिखा रही हे।

अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी नेटवर्क में एक छोटा मोहरा अभिनेत्री रान्या राव, बड़े नामों की तलाश में जांच एजेंसी

तुमकुर । कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव का नाम अंतरराष्ट्रीय सोने की तस्करी नेटवर्क में सामने आ रहा है। जांच में पता चला है कि वे दुबई से बेंगलुरू तक सोना लाने के लिए भारी कमीशन लेती थीं और एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़ी थीं। अधिकारियों के अनुसार, रान्या सरगनाओं के इशारे पर काम कर रही थीं और संगठित अपराध का नेटवर्क काफी गहरा था। जांच एजेंसी सूत्रों के अनुसार, रान्या राव के पास 17.29 करोड़ रुपये का सोना खरीदने की क्षमता नहीं थी, इससे शक और गहरा हो गया। जांच से सामने आया कि उन्हें प्रति किलोग्राम सोने की तस्करी पर 4 से 5 लाख रुपये का कमीशन दिया जाता था। गिरोह ने रान्या को इसलिए चुना, क्योंकि वे एक आईपीएस अधिकारी की बेटी थीं, जिससे उन्हें कानून से बचने में आसानी हो सकती थी। जांच अधिकारियों को संदेह है कि सोने की तस्करी में बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कुछ कर्मचारी भी शामिल हो सकते हैं। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि रान्या ने सोने को किसे सौंपा। उनके बैंक खातों की बीते दो वर्षों की जांच की जा रही है और उनका मोबाइल फोन जब्त किया गया है, ताकि नेटवर्क से जुड़े और लोगों की पहचान हो सके।

मध्य प्रदेश की मोहन सरकार ने पेश किया 4 लाख 21 हजार करोड़ का बजट

-कोई नया टैक्स नहीं लगाया

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की डॉ.मोहन यादव सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। बजट में कोई भी नया कर नहीं लगाया गया और न ही किसी भी कर की दर बढ़ाना प्रस्तावित किया गया है। वर्ष 2025-26 में कुल राजस्व प्राप्तियों का बजट अनुमान रुपए 2 लाख 90 हज़ार 879 करोड़ है। राजस्व प्राप्तियों में राज्य करों से प्राप्तियां, रुपए 1 लाख 9 हज़ार 157 करोड़ तथा केन्द्रीय करों में प्रदेश के हिस्से के अंतर्गत प्राप्तियां, रुपए 1 लाख 11 हजार 662 करोड़ अनुमानित हैं। कर भिन्न राजस्व प्राप्तियां, रुपए 21 हजार 399 करोड़ तथा केन्द्र सरकार से सहायक अनुदान अंतर्गत प्राप्तियां, रुपए 48 हज़ार 661 करोड़ अनुमानित हैं।वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश के स्वयं के कर राजस्व एवं गैर कर राजस्व में, वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान की तुलना में लगभग 6.4 प्रतिशत अधिक होने का अनुमान है।राजस्व प्राप्तियों का वर्ष 2024-25 का बजट अनुमान रुपए 2 लाख 63 हज़ार 344 करोड़ रहा है, जिसमें रुपए 27 हज़ार 535 करोड़ की वृ?द्धि कर वर्ष 2025-26 के

लिये रुपए 2 लाख 90 हज़ार 879 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। वर्ष 2025-26 के लिये कुल विनियोग की राशि रुपए 4 लाख 21 हज़ार 32 करोड़, राजस्व व्यय रुपए 2 लाख 90 हज़ार 261 करोड़ तथा पूंजीगत परिव्यय रुपए 85 हज़ार 76 करोड़ प्रस्तावित है। सामाजिक, आर्थिक उत्थान की योजनाओं के लिये वर्ष 2025-26 के लिये समग्र रूप से बजट अनुमान रुपए 2 लाख 01 हज़ार 282 करोड़ है। मुख्य शीर्षवार बजट अनुमान खण्ड-1 में उपलब्ध है। वर्ष 2024-25 का कुल व्यय बजट अनुमान रुपए 3 लाख 26 हज़ार 383 करोड़ का है, जिसमें रुपए 48 हज़ार 954 करोड़ की वृद्धि कर वर्ष 2025-26 के लिये रुपए 3 लाख 75 हज़ार 337 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

ब्लास्ट, फायरिंग और... ट्रेन से भागे पाकिस्तानियों ने बलूचों पर किया तगड़ा खुलासा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बलूच विद्रोहियों ने बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा से खैबर पख्तूनवा के पेशावर जा रही एक ट्रेन को हाईजैक कर लिया। ये ट्रेन अभी भी बलूच लिबरेशन आर्मी के कब्जे में है। हाईजैक हुई जाफर एक्सप्रेस में अभी भी 100 से ज्यादा बंधक हैं। जिनमें से सभी लगभग पाकिस्तानी सेना, पुलिस और आईएसआई के अधिकारी हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस ट्रेन को राजधानी क्वेटा से 160 किलोमीटर दूर सिबी शहर के पहाड़ी इलाके में खड़ा कर रखा है। ये बलूचिस्तान का दुर्गम पहाड़ी इलाका है। यहां तक नेटवर्क तक नहीं आता, जिसकी वजह से पाकिस्तान की वायु सेना भी कुछ नहीं कर पा रही। बताया जा रहा है कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने ट्रेन में

कुछ ऐसा किया है, जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। बलूच विद्रोहियों ने बताया है कि उन्होंने पाकिस्तान के 30 सैनिकों को मार दिया है, लेकिन 104 नागरिकों को रिहा कर दिया है। जिनमें महिला, बच्चें और पुरुष शामिल हैं। बलूच विद्रोहियों ने जिन पाकिस्तानियों को रिहा किया है। उनके बयान अब सामने आए हैं।

यूक्रेन 30 दिन के युद्ध विराम पर राजी, अब ट्रंप-पुतिन के बीच फोन कॉल पर होगी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा यूक्रेन के साथ सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करने को फिर से शुरू करने के एक दिन बाद, रूस ने कहा कि यदि आवश्यक हो तो राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच एक फोन कॉल पर जल्द ही बात हो सकती है। राज्य द्वारा संचालित टीएएसएस समाचार एजेंसी के अनुसार, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि अमेरिका-यूक्रेन वार्ता के बाद उच्च-स्तरीय बातचीत का विचार सामने आ सकता है और मॉस्को और वाशिंगटन के बीच बातचीत के मौजूदा चैनल कम समय में इस तरह की बातचीत की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। पेसकोव ने कहा कि हम इस बात से इंकार नहीं करते हैं कि उच्चतम स्तर पर कॉल का विषय उठ सकता है। यदि ऐसी आवश्यकता उभरती है, तो इसे बहुत जल्दी व्यवस्थित किया जाएगा।

30 दिन के युद्ध विराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव का समर्थन

यह बयान कीव द्वारा मॉस्को की स्वीकृति के इंतजार में चल रहे संघर्ष में 30 दिन के युद्ध विराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव का समर्थन करने के बाद नए कूटनीतिक गति के बीच आया है। यह घटनाक्रम सऊदी अरब में महत्वपूर्ण वार्ता के बाद हुआ, जहां दोनों पक्षों ने अस्थायी रूप से तनाव कम करने के लिए सतर्क खुलेपन का संकेत दिया। ट्रम्प प्रशासन ने मंगलवार को यूक्रेन के साथ सैन्य सहायता और खुफिया सहयोग पर निलंबन हटा दिया, इस कदम को व्यापक युद्ध विराम चर्चाओं से पहले संभावित विश्वास-निर्माण संकेत के रूप में देखा गया।

जनवरी से अब तक ट्रंप और पुतिन ने एक बार बात की

पेसकोव ने यह भी याद दिलाया कि 20 जनवरी को नए अमेरिकी प्रशासन के सत्ता में आने के बाद से ट्रंप और पुतिन ने सिर्फ़ एक बार बात की है। 12 फ़रवरी को हुई उस बातचीत में यूक्रेन संघर्ष, द्विपक्षीय संबंधों और संभावित आमने-सामने की शिखर वार्ता पर चर्चा हुई थी। हालाँकि, नई कॉल के संभावित समय या एजेंडे के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई, लेकिन क्रेमलिन की तत्परता इस बात का संकेत है कि मॉस्को युद्ध के मैदान और अंतरराष्ट्रीय वार्ता में बदलती स्थितियों के बीच कूटनीतिक बैकचैनल को खुला रख रहा है।

म्यांमार से छूटकर लखनऊ आए युवाओं की आपबीती

लखनऊ। म्यांमार में डिजिटल अरेस्ट गैंग के चंगुल से छुड़ाकर लाए गए 21 युवक मंगलवार की रात लखनऊ पहुंचे। यहां LIU टीम ने पुलिस लाइन में उनसे 5 घंटे पूछताछ की। फॉर्म पर उनकी जानकारी, म्यांमार में रहने वाले परिचित भारतीयों की डिटेल भरवाई। 24 सवालों के जवाब भी लिखवाए। युवक बस से उतरने के बाद चेहरा छिपाते दिखे। कैमरे पर कोई बात नहीं की, लेकिन ऑफ कैमरा जो बताया, वो काफी हैरान करने वाला है।एक युवक ने नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि मुझे 6 महीने तक डिजिटल अरेस्ट गैंग ने गैराज में बंद करके रखा। वहां 18-18 घंटे काम करवाया। जानवरों से बदतर स्थिति हो गई थी। वहां बाथरूम तक नहीं था। दिन में एक बार खाना मिलता था। हर महीने डेढ़ लाख रुपए की सैलरी पर रखा था। बाद में पैसे देने बंद कर दिए थे।लखनऊ के मो. अनस ने बताया कि सोशल मीडिया पर जॉब पोस्ट देखी थी। सारे डॉक्यूमेंट जमा करने के बाद इंटरव्यू हुआ। अच्छी सैलरी, बेहतर सुविधाओं की बात कहकर टूरिस्ट वीजा पर म्यांमार बुलाया गया। वहां पहुंचते ही गैंग के

लोगों ने सबसे पहले मेरा पासपोर्ट जब्त कर लिया। फोन रखवा लिया। फिर कहा- जैसे बोला जाए वैसे काम करना है। यहां सब कुछ आपको बताया जाएगा कि क्या करना है। मुझे म्यांमार के म्यावाडी में एक फ्लैट में बंधक बनाया गया। जहां कोई आ जा नहीं सकता था।म्यांमार में डिजिटल अरेस्ट गैंग के चंगुल से छूटकर आए अमन सिंह कहते थे। 18-18 घंटे काम कराया जाता। एकदम जानवरों से बदतर जिंदगी हो गई थी। न खाने की सुविधा, न नहाने की सुविधा। बाथरूम-टॉयलेट तक नहीं था। काम के समय झपकी आने पर सुरक्षा कर्मी बाल नोचते थे। काम के दौरान सिक्योरिटी गार्ड हर पल नजर रखते थे। सीसीटीवी से निगरानी होती थी। घर जाने के लिए पूछने पर करंट लगाते थे। घर वालों से दिन में एक बार बात करने देते थे। फोन भी जब्त कर लिया था, सोशल मीडिया बंद करवा दिया था। किसी से कोई संपर्क नहीं करने देते थे। चीनी और पाकिस्तानी युवा भी वहां काम करते हैं लखनऊ के सुल्तान सलाउद्दीन कहते हैं मैं जहां कैद था। वहां पर चीन, पाकिस्तान समेत कई अन्य देशों के भी युवा भी काम करते हैं। वह पाकिस्तानी और चीनी लोगों से फोन पर बातचीत भी करते थे। मुझे तो एक लाख से डेढ़ लाख रुपए तक वेतन देने का लालच देकर बुलाया गया था। लेकिन जब पहुंचा तो एक रुपए नहीं दिया, सिर्फ काम करवाया। बाद में सिर्फ खाना देते थे।

संक्षिप्त डायरी

कुकर फटने से लगी भीषण आग:छप्पर में रखा गृहस्थी का सामान जला

बस्ती। के मुंडेरवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गरवाह में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक रिहायशी छप्पर में चूल्हे पर खाना बनाते समय कुकर फट गया। इस दौरान चूल्हे

की आग छप्पर तक पहुंच गई, जिससे भीषण आग लग गई। आग की इस घटना में एक गाय की मौत हो गई। साथ ही एक भैंस भी आग की चपेट में आकर झुलस गई। छप्पर में रखा हुआ सारा सामान जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद लोगों ने आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक काफी नुकसान हो चुका था। घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है।

में बहुभोज कार्यक्रम में हवाई फायरिंग

बस्ती। में एक बहुभोज कार्यक्रम के दौरान युवक द्वारा की गई हवाई फायरिंग का मामला सामने आया है। घटना छावनी के बबुराहा ओवर ब्रिज के पास स्थित एक गांव की

है। कार्यक्रम में आयोजित आर्केस्ट्रा में एक युवक डांसर के साथ नाचते हुए नजर आया। इस दौरान उसने अवैध असलहा निकाला और हवाई फायरिंग कर दी।इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे वीडियो में युवक को असलहा लहराते हुए भी देखा जा सकता है। यह घटना 9 मार्च की बताई जा रही है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्मृतिशेष स्क्वाड्रन लीडर सरदार दलीप सिंह मजीठिया जी की प्रथम पुण्यतिथि 16 मार्च को

संवाददाता
कुशीनगर।
बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर को संचालित करने वाली बुद्ध शिक्षा समिति के लंबे समय तक अध्यक्ष रहे स्मृतिशेष स्क्वाड्रन लीडर सरदार दलीप सिंह मजीठिया जी की प्रथम पुण्यतिथि 16 मार्च 2025 को सरदार नगर स्थित गुरुद्वारे में मनाई जाएगी। भारतीय वायुसेना में स्क्वाड्रन लीडर रहे सरदार दलीप सिंह मजीठिया 104 वर्ष की उम्र में पिछले वर्ष दिवंगत हुए थे। महाविद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष और सचिव सहित सम्मानित सदस्य, प्राचार्य, शिक्षक

और कर्मचारी उक्त दिवस पर उनकी आत्मा की शांति के लिए आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में श्रद्धांजलि देंगे। उक्त जानकारी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने दी।

टीबी मुक्त भारत का संकल्प लें युवा:डॉ एस एन त्रिपाठी

संवाददाता
कसया, कुशीनगर।
राष्ट्रीय सेवा योजना बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर द्वारा आयोजित विशेष शिविर के छठवें दिन बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि जिला क्षय राग अधिकारी कुशीनगर डॉ एस एन त्रिपाठी ने बताया कि पहले लोग टीवी रोगियों को उपेक्षा की दृष्टि से देखते थे लेकिन शिक्षा और जागरूकता के प्रभाव से अब परिस्थितियां बदली है। टीवी एक संक्रामक बीमारी है किंतु लाइलाज नहीं है। इसका इलाज नियमित रूप से निर्धारित दवाएं और पोषक तत्व लेने से संभव है। सरकार अभियान चलाकर टीवी रोगियों की निःशुल्क जांच और दवा वितरण का कार्य कर रही है। समाज के सक्षम और प्रबुद्ध नागरिकों से टीवी रोगियों को गोंद लेकर उनके लिए पोषक

आहार की व्यवस्था की जा रही है। मेरा आप सभी से आग्रह है कि प्रत्येक स्वयंसेवक आज यह संकल्प ले कि अपनी बस्ती और गांव को टीवी मुक्त बनाएंगे।इस तरह से सभी के संकल्प और सहयोग से देश टीवी मुक्त होगा। बिरला धर्मशाला के प्रबंधक और मुख्य वक्ता वीरेंद्र तिवारी ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि जब जब देश पर संकट आता है तब उसके निराकरण हेतु एन एस एस स्वयंसेवक राष्ट्र के साथ खड़े होते हैं।राष्ट्र की सेवा हेतु ही राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे संगठन का निर्माण हुआ। यह स्वयंसेवक ही देश को टीवी मुक्त बनाने का माध्यम बनेंगे। आपने बताया कि इस देश में सेवा का उदाहरण प्राचीन काल से ही भरा पड़ा है। यहां सर्वस्व दान कर देने की परंपरा रही है। दधीचि, दानवीर कर्ण,राजा हरिश्चंद,हर्षवर्धन आदि के नाम प्रमुख हैं। विशिष्ट अतिथि और क्षयरोग चिकित्सक डॉ आशुतोष मिश्र ने बताया कि 24 मार्च को टीवी के इलाज हेतु दवा की खोज हुई थी अतः इस दिन क्षयरोग मुक्ति दिवस मनाया जाता है।आपने स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि आप लोग टीवी रोगी को आपको स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचने में मदद करे। टीवी को अगर हराना है तो स्वयंसेवक को आगे आना होगा। आपके सहयोग से ही 2025 तक टीवी मुक्त भारत का सपना साकार होगा। इससे पूर्व अतिथियों का परिचय और स्वागत डॉ निगम मौर्य ने किया जबकि आभार ज्ञापन डॉ पारस नाथ ने किया।इस अवसर स्वयंसेवक अंकित कुशवाहा ने अपने हाथ से बनाया हुआ स्मृति चिन्ह अतिथियों को भेंट किया। इस अवसर पर फूलचंद, संजय, वासुगोंड, गार्गी भट्टाचार्य समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में बेझिझक जाता था आरोपी

लखनऊ। घटना वाले दिन उसने गर्ल्स हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर वाले ऑफिस में बुलाया। लेकिन बार-बार छूने की कोशिश कर रहा था। जब कोई आ जाता या वहां से निकलता तो हट जाता। इस दौरान फाइन की बातों में उलझाए रखा।कुछ

देर में उसने चाय ऑफर की। मना करने के बावजूद मेड से चाय मंगवाई। जब उससे कहा कि फाइन लेकर केतली वापस करो तो पुरानी एप्लिकेशन थमा दी। बोला- इसमें नाम बदलकर अपना नाम कर लो। इस दौरान वह बेहद नजदीक आ रहा था। बाल छुए तो थोड़ा हटी। हटते ही उसने जबरन किस कर लिया।हॉस्टल स्टूडेंट्स के मुताबिक, मैट्रन का बिहेवियर भी उनके प्रति अच्छा नहीं रहा। जब इस मामले की मैट्रन से शिकायत की गई तो उन्होंने कहा- सालों से वह यहां पर तैनात हैं। इस दौरान कई खूबसूरत लड़कियां हॉस्टल में रहीं। किसी ने आज तक कोई शिकायत नहीं की। ऐसे में आज कैसे ये घटना हो सकती है?हॉस्टल स्टूडेंट्स के मुताबिक, आरोपी का व्यवहार कई बार आपत्तिजनक रहता था। हर कोई उसे इग्नोर कर देता। वह बिना रोकटोक या झिझक के गर्ल्स हॉस्टल का ही वॉशरूम यूज करता था। इस घटना के सामने आने के बाद हुए प्रदर्शन में कुछ लड़कियों ने उस पर गलत निगाह से देखने और फब्तियां कसने की बात भी कही।हंगामे के बाद मैट्रन और आरोपी स्टाफ सस्पेंड स्टूडेंट्स के हंगामे के बाद शनिवार को इअव में पीजी स्टूडेंट के साथ बैड टच मामले में प्रोक्टोरिल बोर्ड की डीन स्टूडेंट वेलफेयर के साथ इमरजेंसी मीटिंग हुई। बैठक में मामले की जांच इंटरनल कंप्लेंट कमेटी से कराने की सहमति बनी। जांच पूरी होने तक के लिए संघमित्रा हॉस्टल स्टाफ विनय कुमार और मैट्रन रेनू सिंह को सस्पेंड कर दिया गया।

पत्नी की फावड़े से गला काटकर हत्या

बस्ती। के लालगंज थाना क्षेत्र के भगवत पट्टी गांव में बुधवार सुबह सनसनीखेज वारदात सामने आई। पति ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से बेरहमी से हत्या कर दी और फरार हो गया। वारदात के बाद गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।चाय पीने के बाद कुल्हाड़ी से काट डाला जानकारी के मुताबिक, गांव के सीताराम के बड़े बेटे जितेंद्र की शादी आठ साल पहले कलवारी थाना क्षेत्र के नौली गांव निवासी मुरली की बेटी माया देवी से हुई थी। दोनों के दो बेटे, 6 साल का राजकुमार और 4 साल का ऋषभ हैं। बुधवार सुबह घर में

सबकुछ सामान्य था। माया ने खुद चाय बनाई, जितेंद्र और बच्चों ने भी चाय पी। इसके बाद अचानक जितेंद्र ने धारदार हथियार से माया पर हमला कर दिया और उसकी गर्दन काट दी।मृतका की सास ज्ञानमती का कहना है कि जितेंद्र मेहनत-मजदूरी कर परिवार चलाता था, लेकिन पिछले एक साल से उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। वह अक्सर अजीब हरकतें करता था।

सीतापुर के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हत्या पर आक्रोश!

फ्यूचर लाइन टाईम्स
बिजनौर। वरिष्ठ पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की निर्मम हत्या को लेकर पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त है। आज 12 मार्च 2025 को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन इकाई जनपद बिजनौर के जिलाध्यक्ष डॉ. भानु प्रकाश वर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी बिजनौर जसजीत कौर को सौंपा गया।

ज्ञापन में राघवेंद्र बाजपेई के हत्यारे की शीघ्र गिरफ्तारी कर कड़ी सजा दिलाने, मृतक पत्रकार के परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने तथा आश्रित परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराने की मांग की गई। साथ ही पत्रकारों की सुरक्षा के लिए विशेष अधिनियम बनाने पर भी जोर दिया गया।
डॉ. भानु प्रकाश वर्मा ने कहा कि पत्रकार समाज का चौथा स्तंभ है, लेकिन आज पत्रकारों पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए तो पत्रकारों में असंतोष और भय का माहौल गहराता जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर संगठन के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं हरियाणा/उत्तराखंड प्रभारी डॉ. नरेश पाल सिंह, नरेश भास्कर, अवनीश शर्मा, सरदार गुणवंत सिंह, इंदर सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह, मूलचंद चौधरी, डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह, बृजेश चंद्र शर्मा सहित दर्जनों पत्रकार व पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना:97 जोड़ों ने एक साथ लिए सात फेरे,

बस्ती। में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 97 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। सदर ब्लॉक स्थित एक निजी मैरिज हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ों ने भाग लिया। नगर पालिका क्षेत्र के 6 जोड़े, साल्टौवा ब्लॉक के 14 जोड़े और रामनगर ब्लॉक के 2 जोड़े शामिल हुए। गौर ब्लॉक और नगर से एक-एक जोड़े ने भाग लिया। गणेशपुर नगर पंचायत से 3 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ।जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को उपहार देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। यह कार्यक्रम सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जो गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता करती है।

गन्ने के वैज्ञानिक खेती पर विशेष प्रशिक्षण अभियान- करन सिंह

◆पेड़ी प्रबंधन, गन्ना कृषि यंत्रों के प्रयोग से लाभ, संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, सहफसल, कीट नियंत्रण आदि विषयों पर दी जा रही है जानकारी

◆अनुदान पर कीटनाशक, गन्ना कृषि यंत्र, बीज गन्ना उपचार के रसायन दिया जा रहा है।

संवाददाता
कुशीनगर।
अवध सुगर मिल ढाढ़ा, हाटा परिक्षेत्र में बसंत कालीन गन्ना बुवाई, पेड़ी गन्ने का वैज्ञानिक प्रबंध, गन्ना कृषि यंत्रो का प्रयोग एवं उसका लाभ, संतुलित उर्वरको का प्रयोग, कीट नियंत्रण, सिंगल वड से तैयार पौध की रोपाई आदि विषयों पर जानकारी देने के लिए चीनी मिल द्वारा विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है। प्रथम चरण में इन ग्रामों में चलाया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम, जिन गांवों में गन्ना क्षेत्रफल कम है। अधिशासी अध्यक्ष श्री करन सिंह ने बताया -चयनित गांव भगवानपुर, जगदीशपुर, धरमपुर, खजरौनी,मुण्डेरा, अकटहिया, पिपरैचा, गोपालपुर सेमरहा, लेहनी, सुबोधिया खुर्द, रामपुर मिश्री, विशम्भरपुर भैंसंहा,

परसौनी, अनरुधवा आदि। होली बाद भी चलाया जायेगा विशेष प्रशिक्षण अभियान। इन गांवों का चयन श्री अवधेश चन्द गुप्ता उपाध्यक्ष गन्ना द्वारा किया गया है।अधिशाषी अध्यक्ष ने चीनी मिल के गन्ना विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में, चीनी मिल द्वारा गन्ना विकास के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी विस्तार पूर्वक बताया जाए, जिन कृषको के पास बीज गन्ना नहीं है, गन्ना बोना चाहते हैं, उनको ऋण पर बिना ब्याज का बीज गन्ना उपलब्ध कराया जाए। माग नोट किया जा रहा है। उ०प्र० गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराईच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि यहां के किसान पेड़ी गन्ना फसल का उचित देखभाल समय से नहीं करते हैं। जिसके कारण औसत उपज कम मिल रही है। इस समय सभी किसान अपने पेड़ी गन्ना फसल की गुड़ाई करें, जिससे खरपतवार सूख जाए, सिचाई करें, प्रति एकड़ 50 किग्रा. एन. पी. के, 50 किग्रा यूरिया, 15 किग्रा. म्यूरेट आफ पोटाश जड़ों के निकट प्रयोग करें, खाली स्थानों पर एक आँख का तैयार पौधा रोपाई करें। गन्ने में मूंग, उर्द, लोबिया, भिण्डी बोये, आप बढ़ेगी, हरी खाद मिलेगी। खरपतवार नियंत्रित होगा। ग्राम अकटहिया, मुण्डेरा, गोपालपुर में आयोजित गोष्ठी में उपप्रबंधक गन्ना डी. डी. सिंह ने कृषको को बताया कि बसंतकालीन गन्ना बुवाई के लिए बीज गन्ना की कमी नहीं है। दस लाख पौधा भी तैयार है गन्ना प्रबंधक रामदेव शर्मा ने बीज गन्ना मांग को नोट किया।

नगर निगम में वार्ड विकास निधि बढ़ेगी

लखनऊ। नगर निगम में वार्ड विकास निधि नहीं बढ़ने से अन्य पार्षदों सहित भाजपा पार्षद भी नाराज हैं। इस वजह से लगभग सभी पार्षदों ने बजट कार्यकारिणी का बहिष्कार कर दिया। इसके बाद मेयर ने मंगलवार शाम

सर्वदलीय बैठक बुलाई। इसमें उन्होंने वार्ड विकास निधि (पार्षद कोटा) बढ़ाने के लिए नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह को निर्देशित किया।पार्षदों की इस नाराजगी की जानकारी भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने देश के रक्षा मंत्री व लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह को दी। वहां से पार्षदों को पार्टी के साथ रहने का निर्देश मिल गया। अब मेयर के होली मिलन समारोह का बहिष्कार किया जाय या नहीं इसे लेकर पार्षदों में असमंजस की स्थिति बन गई।महानगर अध्यक्ष बोले- सब अपने हैं, मना लेंगे देश के रक्षा मंत्री से मिलकर लौटे भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने रक्षा मंत्री से मुलाकात पर कहा कि वह एक शिष्टाचार मुलाकात थी। पार्षद और मेयर के बीच में मुद्दों को लेकर चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि इसे संगठन स्तर पर ही सुलझा लिया जाएगा, यह इतना बड़ा मुद्दा नहीं है कि इसमें रक्षा मंत्री को हस्तक्षेप करना पड़े।मेयर और पार्षद दोनों भाजपा के हैं। हम सभी से बैठकर बात करेंगे। जो समस्याएं आ रही हैं, उनका समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि होली मिलन समारोह में भी भाजपा के पार्षद शामिल होंगे। नाराज पार्षदों की समस्या का संज्ञान पार्टी ने लिया है।भाजपा के हस्तक्षेप के बाद पार्षद 18 मार्च को प्रस्तावित बजट कार्यकारिणी में जाने को तैयार हो गए हैं। इस बीच बैठक में पार्षद निधि बढ़ाने का आश्वासन पार्षदों को मिला है। वहीं, मंगलवार को नाराज पार्षदों में मेयर के होली मिलन समारोह से दूरी बनाने की तैयारी में नजर आए। हालांकि महानगर अध्यक्ष के हस्तक्षेप और पार्षद निधि बढ़ाने के प्रस्ताव के बाद कई पार्षदों की नाराजगी दूर होती दिखाई दे रही है।
इसके साथ ही महापौर भी होली मिलन समारोह में पार्षदों को बुलाने के लिए जोर लगा रही हैं। सपा के पार्षद और सदन में दल के नेता कामरान बाग ने कहा कि मेयर के साथ बैठक हुई थी। इसमें वार्ड विकास निधि बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान मेयर ने अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उनका कहना है कि क्षेत्र बड़ा हो गया है। सीवर सड़क और नाली की समस्या आए दिन सामने आती है। कम बजट होने के चलते पार्षद चाह कर भी अपने क्षेत्र में काम नहीं करा पाते।

संत चंपा मेमोरियल स्कूल जौरा बाजार में विज्ञान प्रदर्शनी का शानदार आयोजन

संवाददाता
कुशीनगर।
फाजिलनगर के जौरा बाजार स्थित संत चंपा मेमोरियल स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विज्ञान के विभिन्न प्रयोगों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में बच्चों ने नए-नए उपकरणों का उपयोग करते हुए उनके कार्य और उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों का प्रदर्शन किया। 6वीं कक्षा की पार्वती गौड़ ने माइक्रोस्कोप बनाकर और उसके कार्यप्रणाली की पूरी जानकारी देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 7वीं कक्षा के आदर्श तिवारी ने हाइड्रोलिक ब्रिज का मॉडल प्रस्तुत कर, उसके उपयोग और सावधानियों के बारे में समझाते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। 8वीं कक्षा के ऋतुराज मिश्र ने इलेक्ट्रॉनिक स्टेट कैपिटल का शानदार मॉडल बनाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेने वाले अन्य सभी बच्चों को भी सांत्वना पुरस्कार और मेडल प्रदान किए गए, ताकि वे भविष्य में भी विज्ञान के क्षेत्र में रुचि और उत्साह बनाए रखें। इस कार्यक्रम में शिक्षक श्रीकांत मिश्र, प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कुशवाहा और शिक्षक अंशुमान चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपने नवाचारों को और निखारने के लिए प्रेरित किया। इंटर कॉलेज जौरा बाजार के शिक्षक

अंशुमान चतुर्वेदी ने विज्ञान के गुण-दोषों पर प्रकाश डालते हुए उसके फायदे और नुकसान के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सुग्रीव मिश्र, ग्राम प्रधान धनहां बबलू राय, एम.डी. मिश्र, बद्री नाथ उपाध्याय, कन्हैयालाल श्रीवास्तव,कुलदीप उपाध्याय, अरविंद मिश्र, विनय बर्नवाल, दिलीप यादव, देशमुख राव, उमेश मिश्र सहित विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हिमांशु शेखर ने किया।जबकि विद्यालय के प्रबंधक गोविंद लाल श्रीवास्तव ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों ने वैज्ञानिक सोच को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। अतिथियों और शिक्षकों ने बच्चों की इस प्रतिभा की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

सरहद पर देश की सेवा के बाद साहित्य और संगीत को दे रहें है सेवा सूबेदार शंभू प्रसाद

अब तक कहानियों और कविताओं की पाँच किताब लिख चुका है सेना का जवान

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा : 28 वर्षों तक भारतीय सेना में अपनी सेवाएं देने और वर्ष 1965 और 1971 की लड़ाई में हिस्सा लेने वाले सूबेदार शंभू प्रसाद सुयाल ने अब संगीत तथा साहित्य की सेवा करने का बीड़ा उठाया। बुधवार को नोएडा के सेक्टर 29 जिला गंगा शॉपिंग कांप्लेक्स के नोएडा मीडिया क्लब में भारतीय सेना से रिटायर्ड सूबेदार शंभू प्रसाद सुयाल द्वारा प्रेस वार्ता की गई, प्रेसवार्ता के दौरान शंभू प्रसाद सुयाल ने मीडिया कर्मियों को जानकारी देते हुए बताया कि अब तक उनकी पाँच रचनाएं प्रकाशित हो चुकी हैं, जिसमें दो कहानी संग्रह,एक उपन्यास तथा अन्य गीत एवं गद्य की रचनाएं शामिल हैं, उन्होंने बताया की वह अब तक "मैं पराई नहीं हूँ, सहारा, समर्पण, योग्यता, मधुरगीत" नाम की पाँच पुस्तकें लिख चुके हैं। इसके अलावा भी संगीत में भी बेहद दिलचस्पी रखते हैं प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कई गीत गाकर मीडिया कर्मियों के सामने अपने हुनर का प्रदर्शन भी किया, उन्होंने बताया कि दूरदर्शन में भी समय-समय पर भी अपने कार्यक्रम पेश करते रहते हैं।

सेना की नौकरी के बाद केंद्रीय सचिवालय में भी दे चुकें हैं सेवाएं

प्रेसवार्ता के दौरान शंभू प्रसाद सुयाल ने बताया कि उनका जन्म उत्तराखण्ड के पौड़ी गढ़वाल जिले के एक छोटे से गाँव में हुआ था, अपनी प्रारंभिक पढ़ाई लिखाई के बाद उनका वर्ष 1964 चयन भारतीय सेना में हो गया था उन्होंने भारतीय सेना में 28 वर्षों तक सेवा की, इस दौरान उन्होंने वर्ष 1965 तथा 1971 की जंग भी लड़ी तथा पाकिस्तान सेना के छक्के छुड़ा दिए,उनकी इसी वीरता पर उनको कई मेडल भी दिए गए,सेना से रिटायर्ड होने के बाद उन्होंने केंद्रीय सचिवालय में नौकरी ज्वाइन की तथा 13 वर्षों तक सुपरवाइजर के पद पर तैनात रहे। जहाँ से रिटायर होने बाद उन्होंने साहित्य तथा संगीत की सेवा शुरू कर दी।

लगातार जारी है कहानी और कविता लेखन

जहां प्रेस वार्ता के दौरान शंभू प्रसाद सुयाल ने अपनी सेना में सेवा के दौरान युद्ध और नौकरी से संबंधित कई किस्से कहानियां मीडिया कर्मियों के साथ साझा की वहीं उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लगातार कहानियां और कविताओं का लेखन जारी है, जल्द ही उनकी अन्य किताब है भी बाजार में आएंगे उन्होंने बताया कि उनकी उम्र अब करीबन 80 वर्ष हो गई है लेकिन कहानी और कविताओं को लिखने का जज्बा उनका लगातार ही बढ़ता जा रहा है।

चुनाव आयोग ने पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए किया आमंत्रित!

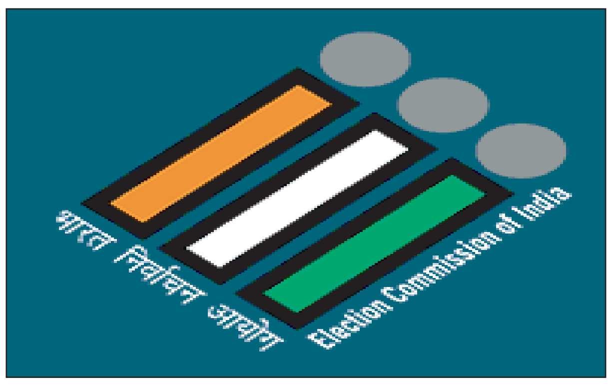

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। चुनाव आयोग ने कानूनी ढांचे के भीतर चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत करने के लिए पार्टी अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए आमंत्रित किया। भारत निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को पत्र के माध्यम से ईआरओ, डीईओ या सीईओ के स्तर पर किसी भी अनसुलझे मुद्दे के लिए सभी राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों से 30 अप्रैल, 2025 तक सुझाव आमंत्रित किए हैं। आयोग ने स्थापित कानून के अनुसार चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत करने के लिए, पारस्परिक रूप से सुविधाजनक समय पर पार्टी के अध्यक्षों और वरिष्ठ सदस्यों के साथ बातचीत की भी परिकल्पना की है। इससे पहले, पिछले सप्ताह ईसीआई सम्मेलन के दौरान, मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सीईओ, डीईओ और ईआरओएस को राजनीतिक दलों के साथ नियमित बातचीत करने, ऐसी बैठकों में प्राप्त किसी भी सुझाव को पहले से मौजूद कानूनी ढांचे के भीतर सख्ती से हल करने और 31 मार्च, 2025 तक आयोग को कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। आयोग ने राजनीतिक दलों से विकेंद्रीकृत जुड़ाव के इस तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करने का भी आग्रह किया।संविधान और वैधानिक ढांचे के अनुसार चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं को कवर करने वाले आयोग द्वारा पहचाने गए 28 हितधारकों में राजनीतिक दल भी एक प्रमुख हितधारक हैं। राजनीतिक दलों को लिखे अपने पत्र में आयोग ने यह भी उल्लेख किया है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951मतदाताओं का पंजीकरण नियम, 1960 चुनाव संचालन नियम, 1961 माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और भारत के चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देश, मैनुअल और हैंडबुक (ईसीआई वेबसाइट पर उपलब्ध) ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए एक विकेन्द्रीकृत, मजबूत और पारदर्शी कानूनी ढांचा स्थापित किया है।

श्री गाँधी इंटर कॉलेज दुजाना में 77वां वार्षिकोत्सव : गरिमा और भव्यता का संगम।

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्ध नगर। श्री गांधी इंटर कॉलेज, दुजाना (गौतमबुद्ध नगर) अपने गौरवशाली इतिहास में एक और अध्याय जोड़ने जा रहा है। श्री गांधी इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य सुनील नागर ने बताया कि शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले श्री गाँधी इंटर कॉलेज, दुजाना (गौतमबुद्ध नगर) में इस वर्ष 77वां वार्षिकोत्सव समारोह बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। यह भव्य आयोजन 15 मार्च 2025, दिन शनिवार को विद्यालय प्रांगण में दोपहर 12:00 बजे से आरंभ होगा। विद्यालय परिवार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति समारोह की गरिमा को और बढ़ाएगी। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. महेश शर्मा (सांसद) लोकसभा गौतमबुद्ध नगर, अध्यक्ष आवास समिति लोकसभा होंगे, जो पूर्व केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सतेंद्र शिशोदिया, अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश (भाजपा) करेंगे। इनके अतिरिक्त कई विशिष्ट अतिथिगण भी समारोह में शिरकत करेंगे, जिनमें माङ्क नरेंद्र सिंह भाटी (सदस्य विधान परिषद), माङ्क तेजपाल नागर (विधायक), माङ्क श्री चंद्र शर्मा (सदस्य विधान परिषद), माङ्क सतबीर गुर्जर (पूर्व विधायक दादरी), माङ्क अमित चौधरी (अध्यक्ष जिला पंचायत) तथा गजेन्द्र मावी (अध्यक्ष भाजपा गौतमबुद्ध नगर) प्रमुख हैं। विद्यालय परिवार द्वारा सभी अभिभावकों, विद्यार्थियों और क्षेत्रवासियों से समय पर पहुँचने की अपील की गई है, ताकि इस ऐतिहासिक अवसर को साझा किया जा सके। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी होंगी, जो प्रातः 10:00 बजे से प्रारंभ होकर श्री ज्ञानेंद्र संस्था द्वारा आयोजित की जाएंगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं समस्त विद्यालय परिवार ने इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सभी आमंत्रित अतिथियों और क्षेत्रवासियों को हार्दिक आमंत्रण दिया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय, ग्रेटर नोएडा में भव्य होली मिलन समारोह सम्पन्न, रंगों में रचा भाईचारे का संदेश

फ्यूचर लाइन टाईम्स ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सैक्टर एळअ-1 स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर आज भव्य होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संघ परिवार के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि एकत्रित हुए और आपसी भाईचारे व समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम में सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और राष्ट्रवाद, सेवा व संगठन की भावना को मजबूती प्रदान करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में विभाग प्रचारक प्रवीर जी, जिला संघ चालक नोरंग , जिला प्रचारक गौरव जी, जिला कार्यवाह राजकुमार जी, दादरी विधायक तेजपाल नागर, एमएलसी श्री चंद शर्मा, जेवर विधायक मा. धिरेन्दर सिंह सहित अनेक प्रमुख स्वयंसेवक व अन्य संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने इस अवसर पर मिलकर राष्ट्र सेवा, संस्कार और संगठन को प्राथमिकता देने का संदेश साझा किया। होली मिलन कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि संघ की विचारधारा समाज को राष्ट्रवाद, सेवा और संस्कार से जोड़ती है। यह आयोजन केवल रंगों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और संगठन की शक्ति का प्रतीक है। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने एक सुर में शुभकामनाएं देते हुए कहा, "रंग बरसे, भाईचारे का संग बरसे!"। गौतम बुद्ध नगर जिले में आयोजित इस आयोजन ने सामाजिक एकता और सौहार्द को और अधिक प्रगाढ़ कर दिया।

मल्टीनेशनल कंपनी में लाखों के पैकेज की नौकरी छोड़ शुभम बने लेफ्टिनेंट, विधायक समेत क्षेत्रवासियों का बधाई देने वालों का लगा तांता

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा के खेड़ा धर्मपुरा गांव के शुभम शर्मा ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट की नौकरी हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जिसके बाद घर पहुंचने पर बुधवार को उनका गंव में भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समारोह के दौरान विधायक श्रीचंद शर्मा के अलावा भाजपा के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। श्रीचंद शर्मा ने शुभम को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए गर्व का विषय बताया है। साथ ही भावी पीढ़ी को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शुभम शर्मा की शुरूआती पढ़ाई केंद्रीय विद्यालय झांसी से हुई है। तेलंगाना बोर्ड से इंटरमीडिएट करने के बाद पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक की। शुभम के पिता कैप्टन उमेश कुमार शर्मा सेना शिक्षा कोर से 32 साल सेवा प्रदान करने के बाद रिटायर हुए है। बीटेक करने के बाद शुभम बेहतर पैकेज पर मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब कर रहे थे। लेकिन पिता के नक्शे कदमों पर चलते हुए सेना में नौकरी करने को प्राथमिकता दी। आठ मार्च को ट्रेनिंग पूरी करने के बाद वह मंगलवार को गांव लौटे तो पूरे क्षेत्र में जश्न मनाया गया। बधाई देने वालों का तांता उनके घर पर लगा हुआ है। ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ नेता पीतांबर शर्मा ने लेफ्टिनेंट शुभकामनाएं दी है।

अखिल भारतीय प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा! अखिल भारतीय प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन द्वारा धूमधाम से होली मिलन समारोह मनाया गया ' कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामना दी` अखिल भारतीय प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप उपाध्याय ने कहा कि हमें केमिकल रंगों का प्रयोग ना करते हुए हर्बल रंग गुलाल का प्रयोग करना चाहिए एवं चंदन का टीका लगाकर गले मिलकर होली प्रेम पूर्वक माननी चाहिए ' कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ जितेंद्र गौड़ ने ज्योति प्रज्वलित कर कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियो का स्वागत फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा कराया। कैलाश हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड पुष्पेंद्र यादव को फाउंडेशन ने विशेष सम्मान का प्रतीक चिन्ह देकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया ' उन्होंने कहा कि कैलाश हॉस्पिटल फाउंडेशन के साथ सदैव साथ खड़ा है। कैलाश हॉस्पिटल की तरह से सभी चिकित्सको को जलपान की व्यवस्था कराई गयी। सभी ने रंगारंग कार्यक्रम मे राधा कृष्ण की झांकी के दीदार कर पुष्प वर्षा के साथ होली मिलन का आनंद उठाया। कार्यक्रम मे ऑल इंडिया पीसीएफ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप उपाध्याय, सचिव डॉक्टर जितेंद्र गौड़, कैलाश होस्पिटल के मार्केटिंग हैड पुष्पेंद्र यादव, सोनी यादव, जितेंद्र चौहान, विमला कोठारी, शिलम पाण्डेय, ईशा गर्ग, डॉ. राजेंद्र सिंह, डॉ उदय मामूरा, डॉ. जोगिंद सिंह, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ गोविंद सिंह, डॉ डी.के. सैनी, डॉ एम.कुमार, डॉ.नीरज गॉड, डॉ. राहुल उपाध्याय, डॉ. एस.कुमार, डॉ.विक्रम सिंह रावत, डॉ. आनंद स्वामी, डॉ. ओमबीर, डॉ.अनिल , डॉ.प्रदीप, डॉ.एम.कुमार, डॉ.गुमानी गहलौत, डॉ.विनोद राही एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल पाण्डेय मौजूद रहे`

वृद्धाश्रम में मनायी रंगों से भरी होली

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। जीएल बजाज के रोटारैक्ट क्लब ने वृद्धाश्रम, दनकौर में बुजुर्गों के साथ एक भावनात्मक और आनंदमयी होली का उत्सव मनाया।छात्रों ने बुजुर्गों के साथ रंगों और फूलों की होली खेली, हंसी-मजाक साझा किया और उनके अनुभवों को ध्यान से सुना। इस खास अवसर को और भी मधुर बनाने के लिए छात्रों ने फल और मिठाइयाँ भेंट कीं, जिससे यह उत्सव और यादगार बन गया। बुजुर्गों ने अपने आशीवार्दों की वर्षा की,जिससे माहौल प्रेम, खुशी और कृतज्ञता से भर गया।यह एक बेहद भावनात्मक और सार्थक अनुभव रहा, जिसने खुशियाँ बाँटने के साथ-साथ पीढ़ियों के बीच के संबंधों को और मजबूत किया।

अखिल भारतीय प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। अखिल भारतीय प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन द्वारा धूमधाम से होली मिलन समारोह मनाया गया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी।अखिल भारतीय प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप उपाध्याय ने कहा कि हमें केमिकल रंगों का प्रयोग ना करते हुए हर्बल रंग गुलाल का प्रयोग करना चाहिए एवं चंदन का टीका लगाकर गले मिलकर होली प्रेम पूर्वक माननी चाहिए।कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ जितेंद्र गौड़ ने ज्योति प्रज्वलित कर कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियो का स्वागत फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा कराया। कैलाश हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड पुष्पेंद्र यादव को फाउंडेशन ने विशेष सम्मान का प्रतीक चिन्ह देकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया।उन्होंने कहा कि कैलाश हॉस्पिटल फाउंडेशन के साथ सदैव साथ खड़ा है।कैलाश हॉस्पिटल की तरह से सभी चिकित्सको को जलपान की व्यवस्था कराई गयी।सभी ने रंगारंग कार्यक्रम मे राधा कृष्ण की झांकी के दीदार कर पुष्प वर्षा के साथ होली मिलन का आनंद उठाया।कार्यक्रम मे ऑल इंडिया पीसीएफ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप उपाध्याय, सचिव डॉक्टर जितेंद्र गौड़, कैलाश होस्पिटल के मार्केटिंग हैड पुष्पेंद्र यादव, सोनी यादव, जितेंद्र चौहान, विमला कोठारी, शिलम पाण्डेय, ईशा गर्ग, डॉ. राजेंद्र सिंह, डॉ उदय मामूरा, डॉ. जोगिंद सिंह, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ गोविंद सिंह, डॉ डी.के. सैनी, डॉ एम.कुमार, डॉ.नीरज गॉड, डॉ. राहुल उपाध्याय, डॉ. एस.कुमार, डॉ.विक्रम सिंह रावत, डॉ. आनंद स्वामी, डॉ. ओमबीर, डॉ.अनिल , डॉ.प्रदीप, डॉ.एम.कुमार, डॉ.गुमानी गहलौत, डॉ.विनोद राही एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल पाण्डेय मौजूद रहे।

सीनियर सिटीजन वैलफेयर एसोसिएशन ने आयोजित किया होली मिलन कार्यक्रम

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर 15 में सीनियर सिटीजन वैलफेयर एसोसिएशन ने होली मिलन कार्यक्रम मनाया। सेक्टर 15 के काफी संख्या में वरिष्ठ लोग शामिल हुए। इस दौरान अध्यक्ष वीरेन्द्र मलिक में चंदन का टीका लगाकर सभी का स्वागत किया।सभी वरिष्ठ लोगों पर फूलों की वर्षा की गई। अध्यक्ष वीरेन्द्र मलिक, महासचिव रतन लाल के अलावा सेक्टर 15 के एनआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष सुमेर रावत ,महासचिव धीरज कुमार,गिरजा सिंह ,एस एन मिश्रा,कैलाश गुप्ता,अरविंद कुमार ,नीलम मलिक,आशा गुप्ता ,मधु गुप्ता,अशोक विरमानी,दिनेश सिंह,निम्मी पांडे ,के के छाबड़ा ,तीर्थ सिंह , सुरेन्द्र कुमार शर्मा आदि काफी संख्या लोग उपस्थित रहे।इस मौके पर लोगों ने चुटकुले,कविता ,डांस का भरपूर आनंद लिया।

आईएमएस में फूलों की होली

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज आईएमएस नोएडा में फूलों की होली का आयोजन हुआ। बुधवार को सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने लोक-नृत्य, लोक-संगीत एवं फूलों से रंगोली रंगोली बनाकर होली मनाया। वहीं कार्यक्रम के दौरान लोकनृत्य एवं लोकगीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित किया गया। संस्थान द्वारा आयोजित फूलों की होली के मौके पर आईएमएस के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने होली की शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि होली भाईचारे और प्रेम का प्रतीक है। फूलों से होली खेलने की यह परंपरा न केवल हमारी संस्कृति को संजोती है साथ ही प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दशार्ती है। वही संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने सभी शिक्षकों एवं छात्रों को उनके सुखद एवं समृद्ध जीवन की कामना करते हुए होली की बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की यह जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण को प्राथमिकता देते हुए संस्कारों और सभ्यता के सुनहरे रंगों से राष्ट्र निर्माण और समाज के पुनरुत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएं।आईएमएस की डीन डॉ. नीलम सक्सेना ने कहा कि होली प्रसन्नता और उल्लास का उत्सव है। यह भगवान श्री कृष्ण व राधा जी के निश्छल प्रेम को समझने का भी उत्सव है। वहीं आईएमएस कल्चरल क्लब की हेड मीतु चौधरी ने बताया कि आज के कार्यक्रम की शुरूआत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसमें छात्रों ने होली के पारंपरिक गीतों पर नृत्य एवं संगीत की प्रस्तुति दी। इसके बाद फूलों की होली खेली गई, जहां प्रतिभागियों ने एक-दूसरे पर फूल बरसाकर खुशी का इजहार किया।

आईवीवाई काउंटी में होली की धमाल

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। रंगरसिया ग्रुप नोएडा द्वारा नोएडा के सैक्टर 75 स्थित आईवीवाई काउंटी में नोएडा के राजस्थानी प्रवासियों द्वारा होली के मौके पर संस्कृतिक कार्यक्रम के तहत होली की धमाल चंग के साथ गाकर खूब धूम मचाई गई। रंगरसिया ग्रुप के श्रीराम बियानी, रामरतन शर्मा, गौरव डागा , जीवन झवर द्वारा राजस्थानी होली गीतों के साथ रौनक देखने वाली थी।सभी ने नोएडा में रहकर राजस्थानी संस्कृति का आनंद लिया।श्रीराम बियानी ने बताया कि रंगरसिया ग्रुप हर होली के अवसर पर पूरे एनसीआर में होली के कार्यक्रम आयोजित करता है।इसके द्वारा राजस्थानी संस्कृति को पहचानने और जानने का अवसर मिलता है। आज भी राजस्थानी लोग अपनी संस्कृति को ऐसे ही कार्यक्रमों के माध्यम से बचा कर रखे हुए हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
फ्यूचर लाइन टाईम्स

डिजिटल होली में रमती-बसती हमारी युवा पीढ़ी!

सुनील कुमार महला

आज तकनीक का बाजार हमारी संवेदनाओं का अतिक्रमण कर रहा है। आपस में सौहार्द और सद्भावना के साथ मिलकर होली खेलने में जो आनंद है, उस आनंद की अनूभूति वर्चुअल वर्ल्ड में कभी भी संभव नहीं हो सकती है, भले ही तकनीक के क्षेत्र में हम कितनी भी प्रगति और तरक्की क्यों न कर लें। वास्तव में हमें हमारी सनातन संस्कृति, परंपराओं का निर्वहन करते हुए पुनः सात्विक, सादगी भरे त्योहार मनाने की ओर लौटना होगा, तभी हमारी सनातन संस्कृति, संस्कार व त्योहारों को मनाने का सही अर्थ होगा और हम स्वयं को अधिक आनंदित, उल्लास से पूर्ण महसूस कर सकेंगे।

होली रंगों का त्योहार है। इस बार 13-14 मार्च को होली है। हर साल होली का त्योहार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। होलिका दहन के दिन को छोटी होली के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में होलिका दहन किया जाता है। पाठक जानते होंगे कि हिरण्यकश्यपु के कहने पर होलिका भक्त प्रह्लाद को मारने के लिए अपनी गोद में बैठाकर अग्नि मंय प्रवेश कर गई, लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से भक्त प्रह्लाद तो बच गया और होलिका जल गई। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि होली प्राकृतिक व कृत्रिम रंगों से खेली जाती है, समय के साथ होली खेलने के स्वरूप में भी बदलाव आए हैं। समय बदला तो होली त्योहार मनाने का ढंग व स्वरूप भी बदल गया। पहले फाल्गुन के महीना शुरू होते ही चंग, बांसुरी, डफ, ढ़ोल, नगाड़ा, स्वांग निकालना, होली पर धमाल गीत, हुड़दंग बाजी, हंसी-ठिठोली होती थी, आज भी होती है लेकिन पहले की तुलना में काफी कम है। आज का युग सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है, इंटरनेट, मल्टीप्लेक्स, एंड्रॉयड मोबाइल फोन, लैपटॉप-कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) या यूं कहें कि सूचना क्रांति, तकनीक और नवाचारों को अपनाने का युग है। ऐसे युग में वर्तमान में हमारी युवा पीढ़ी होली के दिन नशा करने, देर रात्रि तक डीजे पर डांस करने, और फूहड़ तथा पाश्चात्य संस्कृति के गीतों पर एंजॉय करने में ही अपनी वाहवाही समझते है। आज के समय में हमारा देश तेजी से डिजीटलीकरण की ओर अग्रसर हो रहा है। अब होली के दूसरे दिन यानी कि धुलंडी के दिन (रंग खेलने का दिन) भी अपने घरों से बाहर नहीं निकलते हैं। न पहले जैसी हुड़दंग बाजी रही है, न हंसी-ठिठोली और न ही रंग डालने, स्वांग रचने, धमाल गीत गाने जैसी परंपराएं ही अब रहीं हैं। डिजिटल प्रगति के साथ इन सबमें अभूतपूर्व कमी आई है और हमारे तीज-त्योहार भी अब कहीं न कहीं इस अंधी डिजीटलीकरण व्यवस्था में रच-बस से गये हैं। आज सोशल मीडिया जैसे वाटसअप, फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम पर ही अपने यार-दोस्तोंन, रिश्तेदारों और परिजनों को गुलाल-अबीर (रंग) और रंग-बिरंगी पिचकारी भेज कर होली का डिजिटल आनंद लेते हैं। और तो और किसी मैसेज की भांति ही अब तो तीज-त्योहारों के अवसरों पर मिठाई तक भी सोशल नेटवर्किंग साइट्स के जरिए ही भेज दी जाती है। होली पर भी ऐसा ही कुछ हो रहा है, किया जा रहा है। पाठकों को यह जानकर कोई आश्चर्य नहीं होगा कि अब तो धुलंडी का दिन (रंग खेलने का दिन) बीतने के बाद नहाने तक के लिए साबुन, शैंपू और पानी की बाल्टियां, टब तक भी

डिजीटली ही भेजे जाने लगे हैं। यह बात सुनने में अजीब लग सकती है, लेकिन यह एक कटु सत्य है कि आजकल के सोशल मीडिया और इंटरनेट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बढ़ते चलन के साथ, अब ऑनलाइन होली(डिजिटल होली) मनाना आम बात सी हो गई है। आज के समय में रचनात्मक प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया एडिटिंग ऐप रंगों और खुशियों के त्यौहार होली के मौके पर खास स्टिकर्स, ब्रश तथा रिप्ले जारी करने लगे हैं। पिक्स आर्ट अनेक प्रकार के होली स्टीकर्स जारी कर रहा है। आज तो होली खेलने के अनेक एप्स बिखरे पड़े हैं। कोरोना काल में लोग एक दूसरे से दूरी बनाकर मिलने के लिये मजबूर क्या हुए, होली खेलने के अनेक एप्स बाजार में आ गए। आज लोग इन एप्स और स्टिकर्स के जरिये एक दूसरे को डिजिटल अबीर-गुलाल से सराबोर कर रंगों का त्योहार ऐसे मना सकते हैं, जो शायद पहले कभी नहीं मनाया होगा। आज लोग खास मौकों पर डिजिटल माध्यम के जरिये अपने प्रियजनों को बधाई व शुभकामनाएं देने में अपनेपन का एहसास महसूस करने लगे हैं। पिक्सआर्ट के स्टिकर्स, रिप्लेज, मास्क और ब्रश के जरिये रंगों से बिना कोई जोखिम उठाये होली का त्योहार मना सकते हैं। रंगों के इस त्यौहार पर कोई भी अपने प्रियजनों, रिश्तेदारों को अपनी पसंद के रंगीन स्टिकर्स भेजकर, पिचकारी व डिजिटल मिठाई भेजकर होली की बधाई दे सकते हैं। इसका सीधा सा मतलब यह है कि आज के समय में डिजिटल तकनीकों ने सूदूर निवास करने वाले अपने प्रियजनों, रिश्तेदारों के लिए बिना उनसे शारीरिक रूप से(फिजीकली) मिले ही होली के रंग खेलना, शुभकामनाएं व मिठाई भेजना और हंसी-ठिठोली करना संभव बना दिया है। कहना गलत नहीं होगा कि पिक्सआर्ट के साथ आज के इस डिजिटल समय में हम अपनी कल्पनाशीलता से कोई भी तरह का रंगीन डिजाइन बनाकर खुशी, उमंग व पूरे उत्साह व उल्लास के साथ घर बैठे ही होली मना सकते हैं। सच तो यह है कि आज होली ही नहीं हमारे देश के त्योहारों पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स का आक्रमण हो चुका है। आज होली खेलने के लिए न घर से बाहर कहीं मैदान या गली मोहल्लों में जाने की आवश्यकता रही है और न ही कहीं सूदूर क्षेत्र की यात्रा करने की ही आवश्यकता रही है। आज घर पर बैठे-बैठे ही एंड्रॉयड मोबाइल, लैपटॉप हाथ में लेकर होली खेली जा सकती है। सच तो यह है कि डिजिटल क्रांति के इस युग में त्योहार तो क्या हर रिश्ते को एंड्रॉयड मोबाइल, लैपटॉप पर ही निपटा दिया है। डिजिटल क्रांति के इस युग में न तो अब कपड़े धोने का झंझट रहा है और न ही रंगों से स्किन खराब होने का भय। पहले होली के दिन रंग खेलने के लिए लोग सिर्फ अपनी गली मोहल्ले तक ही सीमित थे। आज इंस्टाग्राम, वाट्सएप एवं फेसबुक(सोशल नेटवर्किंग साइट्स) के इस युग में वे घर पर बैठे-बैठे ही मोहल्ला छोड़िए, पूरी दुनिया संग इको फ्रेंडली के साथ-साथ पाकेट फ्रेंडली होली भी मनाने लगे हैं। न हींग लगे और न ही फिटकरी। डिजिटल होली लोगों को असली होली की तुलना में पसंद आने लगी है, लेकिन ऐसा करके हम हमारी त्योहारी संस्कृति, परंपराओं, हमारे सांस्कृतिक विरासत से कहीं न कहीं दूर होते चले जा रहे हैं। आज होली के रंग डिजीटलीकरण में उड़ रहें हैं, वास्तव में धरातल पर नहीं। या यूं कहें कि ग्राउंड में होली कम खेलने को तवज्जो दी जा रही है। बहरहाल, यहां यह कहना बिलकुल भी गलत नहीं होगा कि हमारे आधुनिक जीवन में प्रवेश करने वाली रचनात्मक तकनीक ने हमारे तीज-त्योहारों को मनाने के हमारे तरीकों को भी आज काफी हद तक बदल दिया है। आज डिजिटल रंगोलियां सजाई जाती हैं। वर्चुअली रंग खेले जा रहे हैं, वास्तविक रंगों को स्थान बहुत कम रह गया है। सच तो यह है कि आज के सूचना क्रांति और तकनीक के इस युग में होली के पर्व पर जितनी डिजीटल पिचकारियां चल रही हैं, धरातल पर उसका प्रतिशत बहुत ही कम रह गया है। संक्षेप में कहें तो आज एआई युग में होली जैसे बड़े व पावन त्योहार पर हर कोई असलियत में रंगों से भरी पिचकारी से खेलें या नहीं खेलें, लेकिन सोशल मीडिया पर पिचकारी भर कर अपनों पर खूब रंग बिखेर रहे हैं। अंत में यही कहूंगा कि अगर हमें अपने त्योहारों की पवित्रता बचानी है तो हमें कम से कम इन्हें बाजार पैसे के मकड़जाल, आधुनिकता से बचाकर रखना होगा। त्योहार हमारे देश की संस्कृति और परंपराओं से जुड़े हुए हैं। समय के साथ बदलाव कुछ हद तक ठीक कहें जा सकते हैं लेकिन ये इतने अधिक न हों कि त्योहारों का कोई औचित्य या अर्थ ही न रह जाए। होली के त्योहार पर एक दूसरे के यहां प्रत्यक्ष जाकर आपसी मेलजोल, सौहार्द, सद्भावना, प्रेम, प्यार और रिश्तों की धुरी पर जो रंग लगाए जाते हैं, वे सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर जाकर कभी भी नहीं लगाए जा सकते हैं। वर्चुअल वर्ल्ड, आखिर वर्चुअल वर्ल्ड ही होता है, वहां भावनाएं नहीं होतीं हैं। कहना गलत नहीं होगा कि त्योहार हमारे सांस्कृतिक, पारंपरिक जीवन को हरा-भरा करते हैं। ये हमारी सनातन भारतीय संस्कृति, परंपराओं का अभिन्न हिस्सा ही नहीं, बल्कि हमारी धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्रीय एकता के भी प्रतीक हैं। पर्व किसी भी धर्म या संप्रदाय का क्यों न हो, हम सभी भारतवासी उसे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। एक-दूसरे को बधाइयां और शुभकामनाएं देते हैं। प्रत्यक्ष बधाई व शुभकामनाएं देना, रंग लगाना एक अलग बात है और वर्चुअली रंग लगाना एक अलग बात है, हमें इस बात को समझना चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि घर के बने पकवान और मिष्ठान से जो स्वागत-सत्कार हो सकता है, वह वर्चुअली भेजी गई मिठाई से कभी संभव नहीं हो सकता है। वर्चुअल वर्ल्ड पर बनावटीपन दिखता है, वह वास्तविक वर्ल्ड नहीं है। आज तकनीक का बाजार हमारी संवेदनाओं का अतिक्रमण कर रहा है। आपस में सौहार्द और सद्भावना के साथ मिलकर होली खेलने में जो आनंद है, उस आनंद की अनूभूति वर्चुअल वर्ल्ड में कभी भी संभव नहीं हो सकती है, भले ही तकनीक के क्षेत्र में हम कितनी भी प्रगति और तरक्की क्यों न कर लें। वास्तव में हमें हमारी सनातन संस्कृति, परंपराओं का निर्वहन करते हुए पुनः सात्विक, सादगी भरे त्योहार मनाने की ओर लौटना होगा, तभी हमारी सनातन संस्कृति, संस्कार व त्योहारों को मनाने का सही अर्थ होगा और हम स्वयं को अधिक आनंदित, उल्लास से पूर्ण महसूस कर सकेंगे।

संपादकीय

ठेंगे पर आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने के मामले में हाई कोर्ट के आदेश का अनुपालन न करने के मामले में जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों की खिंचाई की। इसे हठधर्मिता बताते हुए इस निष्क्रियता को प्रथम दृष्टया अवमाननापूर्ण बताया। अधिकारियों ने मई, 2007 के उच्च न्यायालय के सरल आदेश का अनुपालन करने में 16 साल लगा दिए। पीठ ने हाई कोर्ट की खंड़पीठ द्वारा लगाए गए पच्चीस हजार रुपये के जुमार्ने में हस्तक्षेप करने से भी इंकार करते हुए इसे प्रतीकात्मक ठहराया। ग्रामीण विकास विभाग में 14 से 19 सालों तक काम करने वाले दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने का हाई कोर्ट ने आदेश दिया था। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा- हमें केवल दशकों की देरी की चिंता नहीं है, बल्कि यह निर्विवाद तथ्य भी है कि गरीब प्रतिवादी, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी होने के कारण याचिकाकताओं द्वारा बारम्बार परेशान किए गए। अदालत ने जुमार्ने को नजीर बताते हुए अधिकारियों पर भारी जुमार्ना लगाने का आदेश दे कर बड़ी चेतावनी दी। कुछ दिन पहले ही श्रीनगर के लाल चौक पर भी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था। तमाम नियमों व कानूनों के बावजूद दैनिक वेतनभोगियों व मजदूरों को भुगतान संबंधी दिक्कतों से न केवल जूझना पड़ता है बल्कि उनकी कोई सुनवाई भी नहीं होती। अदालती कार्रवाई में लगने वाले वक्त और धन के कारण भुक्तभोगी आजिज आ जाते हैं। सरकारी लापरवाही और अधिकारियों का रवैया सालों-साल खराब ही होता जा रहा है। बात सिर्फ जम्मू-कश्मीर की नहीं है। इन्हीं हालात से देश भर के दिहाड़ी श्रमिक व कर्मचारी गुजर रहे हैं। केंद्रीय व राज्य श्रम आयोगों के कामकाज व रवैये को लेकर कर्मचारियों में हमेशा रोष नजर आता है, जो अपना कर्त्तव्य निभाने में असफल साबित हो रहे हैं। उस पर अदालतों के आदेशों को लेकर प्रशासन व अधिकारियों की उपेक्षा सरकार के सान्निध्य में आपसी मिली-भगत से जारी रहती है। अधिकारियों पर सरकार का वरदहस्त न हो तो वे अदालत के आदेश को चुनौती देने का साहस नहीं कर सकते। चुनावी भाषणों में दैनिक मजदूरों-कर्मचारियों, बेरोजगारों और रोजगार की तलाश में ठोकरे खाने वालों के पक्ष में घड़ियाली आंसू बहाने वाले राजनेता देश भर के नागरिकों को मात्र दिवास्वप्न दिखाते रहते हैं। यही कारण है कि जनता का विश्वास अब सिर्फ न्याय व्यवस्था पर ही रह गया है।

चिंतन-मनन

जीव परमेश्वर की परा शक्ति

जीव परमेश्वर की परा प्रकृति (शक्ति) है। अपरा शक्ति तो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि तथा अहंकार जैसे विभिन्न तत्वों के रूप में प्रकट होती है। भौतिक प्रकृति के ये दोनों रूप-स्थूल (पृथ्वी आदि) तथा सूक्ष्म (मन आदि) अपरा शक्ति के ही प्रतिफल हैं। जीव जो अपने विभिन्न कार्य के लिए अपरा शक्तियों का विदोहन करता रहता है, स्वयं परमेश्वर की परा शक्ति है और यह वही शक्ति है जिसके कारण सारा संसार कार्यशील है। इस दृश्य जगत में कार्य करने की तब तक शक्ति नहीं आती, जब तक परा शक्ति अर्थात जीव द्वारा यह गतिशील नहीं बनाया जाता। शक्ति का नियंत्रण सदैव शक्तिमान करता है, अतः जीव सदैव भगवान द्वारा नियंत्रित होते हैं। जीवों का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। वे कभी भी सम शक्तिमान नहीं, जैसा कि बुद्धिहीन मनुष्य सोचते हैं। श्रीमद्भागवत में जीव तथा भगवान के अन्तर को इस प्रकार बताया गया है- ह्यर्ं परम शात! यदि सारे देहधारी जीव आप ही की तरह शात एवं सर्वव्यापी होते तो वे आपके नियंत्रण में न होते। किन्तु यदि जीवों को आपकी सूक्ष्म शक्ति के रूप में मान लिया जाए, तब वे सभी आपके परम नियंत्रण में आ जाते हैं। अतः वास्तविक मुक्ति आपकी शरण में जाना है और इस शरणागति से वे सुखी होंगे। परमेश्वर कृष्ण एकमात्र नियन्ता हैं और सारे जीव उन्हीं के द्वारा नियंत्रित हैं। सारे जीव उनकी पराशक्ति हैं, क्योंकि उनके गुण परमेश्वर के समान हैं, किन्तु वे शक्ति की मात्रा के विषय में समान नहीं हैं। स्थूल व सूक्ष्म अपरा शक्ति का उपभोग करते हुए परा शक्ति (जीव) को अपने वास्तविक मन तथा बुद्धि की विस्मृति हो जाती है। इसका कारण जीव पर जड़ प्रकृति का प्रभाव है। माया के प्रभाव में अहंकार सोचता है, मैं ही पदार्थ हूं और सारी भौतिक उपलब्धि मेरी है किंतु जब वह सारे भौतिक विचारों से मुक्त हो जाता है, तो उसे वास्तविक स्थिति प्राप्त होती है।

भगवंत मान के लिए जी का जंजाल बनता किसान आंदोलन

पंजाब-हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसान एक साल से धरने पर हैं और अब पंजाब के सीएम भगवंत मान की टेंशन बढ़ रही है। हालात अब किसान और पंजाब सरकार के बीच टकराव के स्तर पर पहुंच गई है। आम आदमी पार्टी ने किसान आंदोलन को केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ इस्तेमाल किया मगर अब इन्हीं अन्नदाताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सीएम भगवंत मान का कहना है कि किसानों ने पंजाब को धरने वाला राज्य बना दिया है। पिछले सोमवार को वह किसान नेताओं की मीटिंग को बीच में ही छोड़कर चले आए। अरविंद केजरीवाल भी इन दिनों पंजाब में विपश्यना कर रहे हैं मगर किसानों की मांगों पर चुप हैं। दिल्ली चुनाव में हार के बाद हालात इतनी तेजी से बदले कि किसानों को दिल्ली में धरने के लिए निमंत्रण देने वाली आम आदमी पार्टी की मान सरकार ने किसानों को चंडीगढ़ में एंट्री नहीं दी।

पंजाब के किसान एमएसपी की गारंटी समेत अन्य मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की कई मांगें केंद्र के साथ राज्य सरकार से भी है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसानों का धरना एक साल से जारी है। माना जाता है कि पंजाब सरकार आप ने किसानों को दिल्ली का रास्ता दिखाकर आंदोलन को हवा दी थी। आप को उम्मीद थी कि किसान एक बार फिर दिल्ली पहुंचेंगे और केंद्र सरकार की मुसीबत बढ़ जाएगी मगर हरियाणा सरकार ने दोनों बॉर्डर को बंद कर दिया। जानकारों का कहना है कि अगर हरियाणा में सत्ता बदल जाती तो सियासी खेल आसान हो जाता मगर हरियाणा में भाजपा ने हैट्रिक लगा दी और बॉर्डर बंद ही रहा। किसान अभी भी पंजाब की सीमा के भीतर टेंट लगाकर अभी बैठे हैं। अब यह दांव उल्टा पड़ रहा है। किसान कुछ लिए बिना जाना नहीं चाहते, इसलिए किसान केंद्र से पहले पंजाब में किए गए वादों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं हालांकि किसानों की केंद्रीय मंत्रियों से भी बातचीत जारी है।

3 मार्च को सीएम भगवंत मान के साथ 40 किसान नेताओं की मीटिंग भी हुई थी जिसमें गन लाइसेंस रिन्यू करना, एग्रीकल्चर पॉलिसी समेत प्रीपेड इलेक्ट्रिक मीटर समेत 18 मांगों पर चर्चा होनी थी। ये सारे मुद्दे पंजाब सरकार से जुड़े हैं। मीटिंग में माहौल इतना तल्ख हो गया कि सीएम भगवंत मान बीच में ही मीटिंग छोड़कर निकल गए। सूत्रों के अनुसार, सीएम मान ने तल्ख अंदाज में कहा कि पहले भी जो मांगे माने गई हैं, वह भी अब रद्द हो गई हैं। बातचीत फेल होने के बाद किसानों ने बुधवार को चंडीगढ़ कूच का ऐलान किया और पंजाब सरकार से चंडीगढ़ के सेक्टर 34 में प्रदर्शन करने की मांग की। दिल्ली में धरने की वकालत करने वाली आम आदमी पार्टी ने किसानों को चंडीगढ़ में एंट्री की इजाजत नहीं दी। प्रदर्शन के दौरान कई किसान नेता गिरफ्तार किए गए। इसके बाद पंजाब में किसानों ने सीएम भगवंत मान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। किसानों ने आरोप लगाया है कि भगवंत मान सरकार भी वैसा ही व्यवहार कर रही है जैसा केंद्र सरकार करती आ रही है।

सर्व विदित है कि फरवरी 2024 में जब किसानों ने दोबारा दिल्ली मार्च शुरू किया तो अरविंद केजरीवाल ने उनका हर संभव समर्थन किया था। जब उनसे पूछा गया कि किसान दिल्ली ही क्यों जाते हैं तो उन्होंने जवाब दिया था कि किसान दिल्ली नहीं तो क्या लाहौर जाएंगे? उन्होंने दिल्ली कूच के मद्देनजर बवाना स्टेडियम को अस्थायी जेल बनाने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को भी ठुकरा दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने हरियाणा से दिल्ली तक किलेबंदी की और किसान दिल्ली नहीं आ पाये।

जानकारों का कहना है कि पांच साल पहले जब 2020 में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल सिंघु बॉर्डर पहुंचे थे। तब उन्होंने कहा था कि वह किसानों के बीच मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि सेवादार बनकर आए हैं। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने आंदोलन कर रहे किसानों को बिजली, पानी समेत तमाम सुविधाएं दिलाने का वादा किया था और सुविधाएं दी भी थी। राजनीतिक दलों के समर्थन के कारण 2020-21 के बीच किसान 379 दिनों तक दिल्ली में जमे रहे। ट्रैक्टर मार्च निकाला और लाल किले में उपद्रव भी हुए। यह बात अलग है कि इस किसान आन्दोलन से जनता को भारी परेशानियां होने के साथ साथ अरबों रुपयों का नुकसान भी हुआ था। 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को दिल्ली में किसानों की सेवा का फल भी मिला। पार्टी शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण इलाकों में विजयी रही हालांकि इस जीत में मुफ्त बिजली, किसानों को लोन माफी और महिलाओं को 1000 रुपये देने जैसे वादों का भी बड़ा रोल रहा था. बताया जा रहा है कि इन वादों को पूरा करने के लिए पंजाब सरकार आज भी बजट का इंतजाम नहीं कर पाई है। अब भगवंत मान सरकार के लिए चुनावी वादे ही गले की हड्डी बन गए हैं। किसानों की मीटिंग से निकलने के बाद भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार को सिर्फ किसानों का ही नहीं बल्कि सभी 3.5 करोड़ पंजाबियों के हितों का भी ध्यान रखना है। उनका कहना था कि प्रदर्शनों से व्यापारियों, व्यवसायियों, छात्रों, कर्मचारियों एवं आमजन को अत्यधिक परेशानी हो रही है। पंजाब की अर्थव्यवस्था रसातल में जाने के साथ -साथ इसकी पहचान धरने वाले स्टेट की बनकर रह गई है। उनका कहना है कि वे किसानों से बातचीत करने को तैयार है लेकिन उन्हें(किसानों को) अराजकता फैलाने की छूट नहीं दी जा सकती। जानकारों की माने तो दिल्ली में जब अरविंद केजरीवाल की सरकार थी, तब किसान आंदोलन के लिए उन्होंने दिल्ली को केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ मंच की तरह इस्तेमाल किया था। अब दिल्ली में सरकार बदल चुकी है। हरियाणा सरकार ने भी रास्ता बंद कर दिया है. ऐसे में किसानों के पास चंडीगढ़ में ही आंदोलन का नया स्टेज बनाने की मजबूरी है। अगर चंडीगढ़ में एक बार किसानों का धरना शुरू हो गया तो केंद्र के बजाय भगवंत मान सरकार निशाने पर आ जाएगी। वहां आम लोगों के लिए आंदोलन से होने वाली दिक्कतों का बोझ उठाना भी आसान नहीं है। अब किसान आंदोलन को पहले जैसा राजनेताओं का समर्थन हासिल नहीं है. पंजाब में चुनावी साल होने के कारण किसान आंदोलन का लम्बे समय तक चलना मान सरकार के लिए किसी भी स्तर पर हितकर नहीं है। वैसे भी दिल्ली में आम आदमी की सरकार नहीं रहने से समय - समय पर चिल्लाने वाले नेताओं की आवाज अब बंद हो गई है। यही नहीं, केन्द्र सरकार को कोसने के बहाने जो पार्टियां आप नेताओं को प्रोटेक्शन देती थी, उनके सुरों में भी परिवर्तन देखा जा रहा है। ऐसे में जो कुछ करना होगा, भगवंत मान को ही करना होगा।

– रामस्वरूप रावतसरे

शांत और परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय संस्कृति, सभ्यता के बारे में हमने साहित्य और इतिहास के माध्यम से और भारत माता की गोद में रहकर पारिवारिक संस्कृति, मान सम्मान, रीति- रिवाजों से इसे प्रत्यक्ष महसूस भी कर रहे हैं। परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों के माध्यम से हमने कई बार सतयुग का नाम सुने हैं,जिसका वर्णन वेस्वर्गलोक के तुल्य करते हैं। याने इतनी सुखशांति, अपराध मुक्ति, इमानदारी, शांति सरोवर तुल्य, कोई चालाकी चतुराई गलतफहमी या कुटिलता या भ्रष्टाचार नहीं, बस एक ऐसा युग कि कोई अगर कुछ दिन, माह के लिए बाहर गांव जाए तो अपने घरों को ताला तक लगाने की जरूरत नहीं!अब कल्पना कीजिए कि अपराध बोध मुक्त युग!मेरा मानना है कि हमारी पूर्व की पीढ़ियों ने ऐसा युग जिए होंगे तब यह बोध आगे की पीढ़ियों में आया,जिसे सतयुग के नाम से जरूर जाना जाता है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान युग पर बड़े बुजुर्गों में चर्चा की करें तो इस इसे कलयुग नाम देते हैं, याने सभी प्रकार के अपराध बोध से युक्त संसार। हर तरह की बेईमानी, भ्रष्टाचार कुटिलता से भरा हुआ युग!आज भी बुजुर्गों का मानना है कि वह सतयुग फिर आएगा,याने आज की तकनीकी भाषा में अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार बेईमानी कुटिलता मुक्त पारदर्शिता और अनेकता में एकता वाले भारत की परिकल्पना का युग।

साथियों बात अगर हम अपराध, भ्रष्टाचार, बेईमानी, कुटिलता से भरे जग की करें तो मेरा मानना है कि इसका मुख्य प्रवेश द्वार क्रोध, उत्तेजित स्वभाव व लालच है जिसमें आपराधिक बोध प्रवृत्ति का जन्म होता है और व्यक्ति क्रोध में हिंसा, अपराध, लालच, भ्रष्टाचार, बेईमानी और कुटिलता के अमानवीय कृति और अन्य गलत कार्यों की ओर मुड़ जाता है और आगे बढ़ते ही चले जाता है जब जीवन के असली महत्व का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। क्रोध की अभिव्यक्ति हमारे अंदर की कुंठा, हिंसा व द्वेष के कारण भी हो सकती है। वर्तमान काल में अपराधों के बढ़ने का एक प्रमुख कारण भीषण क्रोध ही है।क्रोध से उत्पन्न हुएअपराधों के औचित्य को सिद्ध करने के लिए क्रोधी व्यक्ति कुतर्क कर दूसरे को ही दोषी सिद्ध करता है। एक दोष को दूर करने के लिए अनेक कुतर्क पेश करता है। क्रोध में व्यक्ति आपा खो देता है। क्रोध में अंततः बुद्धि निस्तेज हो जाती है और विवेक नष्ट हो जाता है। क्रोध का विकराल रूप जुनून है। आदमी पर जुनून सवार होने पर वह जघन्य से जघन्य अपराध कर बैठता है। जुनून की हालत में उसे मानवीय गुणों का न बोध रह पाता है और न ही ज्ञान। क्रोध मानव का सबसे बड़ा शत्रु है, बहुत बड़ा अभिशाप है।

साथियों बात अगर हम शांत, परोपकारी स्वभाव ही जीवन का मूल मंत्र की करें तोअभिभावकों, शिक्षकों को बच्चों को यह शिक्षा देना है और हम बड़ों को यह स्वतः संज्ञान लेना है कि माचिस की तीली बनने की बजाय शांत सरोवर बनना होगा, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए, बस! यह भाव अगर हम मनीषियों के हृदय में समाहित हो जाए तो यह विश्व फिर सतयुग का रूप धारण करेगा जहां किसी तरह का कोई अपराध बोध या गलत काम का भाव नहीं होगा। सभी मनीषी जीव परोपकारी भाव से युक्त होंगे भाईचारा, प्रेम, सद्भाव की बारिश होगी जहां बिना ताले घरबार छोड़ कहीं भी जाने के भाव जागृत होंगे और हमारे बुजुर्गों का सतयुग रूपी सपना साकार होगा। साथियों बात अगर हम स्वयं को माचिस की तीली याने क्रोधित होने पर विपरीत परिणामों की करें तो, क्रोध मनुष्य को बर्बाद कर देता है और उसे अच्छे बुरे का पता नही चलने देता, जिस कारण मनुष्य का इससे नुक्सान होता है। क्रोध मनुष्य का प्रथम शत्रु होता है। क्रोधी व्यक्ति आवेश में दूसरे का इतना बुरा नहीं जितना स्वयं का करता है। क्रोध व्यक्ति की बुद्धि को समाप्त करके मन को काला बना देता है।

साथियों बात अगर हम क्रोध को नियंत्रित कर समाप्त करने की तकनीकी की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार क्रोध के नकारात्मक प्रभाव पूरे इतिहास में देखे गए हैं। प्राचीन दार्शनिकों, धर्मपरायण व्यक्तियों और आधुनिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतीत होने वाले अनियंत्रित क्रोध का मुकाबला करने की सलाह दी गई है। आधुनिक समय में, क्रोध को नियंत्रित करने की अवधारणा को मनोवैज्ञानिकों के शोध के आधार पर क्रोध प्रबंधन कार्यक्रमों में अनुवादित किया गया है। क्रोध प्रबंधन क्रोध की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक मनो-चिकित्सीय कार्यक्रम है। इसे क्रोध को सफलतापूर्वक तैनात करने के रूप में वर्णित किया गया है। क्रोध अक्सर हताशा का परिणाम होता है,या किसी ऐसी चीज से अवरुद्ध या विफल होने का अनुभव होता है जिसे विषय महत्वपूर्ण लगता है। अपनी भावनाओं को समझना क्रोध से निपटने का तरीका सीखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। जिन बच्चों ने अपनी नकारात्मक भावनाओं को क्रोध डायरी में लिखा था, उन्होंने वास्तव में अपनी भावनात्मक समझ में सुधार किया, जिससे बदले में कम आक्रामकता हुई। जब अपनी भावनाओं से निपटने की बात आती है, तो बच्चे ऐसे उदाहरणों के प्रत्यक्ष उदाहरण देखकर सबसे अच्छा सीखने की क्षमता दिखाते हैं, जिनके कारण कुछ निश्चित स्तर पर गुस्सा आया। उनके क्रोधित होने के कारणों को देखकर, वे भविष्य में उन कार्यों से बचने की कोशिश कर सकते हैं या उस भावना के लिए तैयार हो सकते हैं जो वे अनुभव करते हैं यदि वे खुद को कुछ ऐसा करते हुए पाते हैं जिसके परिणामस्वरूप आमतौर पर उन्हें गुस्सा आता है, इसके साथ ही एकांत में जाकर ध्यान के माध्यम से क्रोध के विकारों को नष्ट करने का प्रयास करें तो ऋणात्मक ऊर्जा को मोड़कर हम सकारात्मक ऊर्जा से विवेक सम्मत निर्णय लेने में सक्षम हो सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शांत, परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र है!स्वयं को माचिस की तीली बनने की बजाए शांति सरोवर बनाएं, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए।क्रोध,उत्तेजित स्वभाव,अपराधिक बोध प्रवृत्ति का मुख्य प्रवेशद्वार है अपराध मुक्त भारत के लिए मनीषियों को क्रोध त्यागना प्राथमिक उपाय है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार सुबह वायु गुणवत्ता 'खराब' रही और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.1 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 248 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, एक्यूआई शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

दिल्ली में पुलिस ने की ताबड़तोड़ कार्रवाई, अवैध रूप से रह रहे 24 बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को एक अभियान के दौरान दक्षिण पूर्व और दक्षिण दिल्ली से 24 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, ये लोग अवैध रूप से भारत में घुसे थे। अभियान के दौरान कई दस्तावेज बरामद किए गए। दक्षिण जिले में अवैध रूप से रहने के आरोप में 13 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि दक्षिण पूर्व जिले में 11 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया गया। पुलिस फिलहाल इन इलाकों में 10 से अधिक लोगों के दस्तावेजों की जांच कर रही है।

होली को लेकर पुलिस ने किए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों पर पुलिस का ऐक्शन लगातार जारी है। दिल्ली पुलिस ने राजधानी के अलग-अलग इलाकों से 5 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। दिल्ली पुलिके अलावा 10 मार्च 25 को बिलाल के 26 वर्षीय बेटे को भी हिरासत में ले लिया गया। जिसकी पहचान मोहम्मद फारुख पुत्र मोहम्मद बिलाल, निवासी गांव बलीपारा, थाना और जिला पेरिसपुर, बांग्लादेश के रूप में हुई है। फारुख भी अपने पिता के साथ मकान नंबर 7816/8, इलियास बिल्डिंग, पांचवीं मंजिल, नई बस्ती, दिल्ली में रह रहा था।

होली को लेकर पुलिस ने किए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप होली के मौके पर राजधानी की सड़कों पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने के बारे में सोच रहे हैं तो जरा होशियार हो जाइये, क्योंकि दिल्ली पुलिस आपके इस मनसूबे पर पानी फेरने के लिए सुबह से ही दिल्ली की सड़कों पर मुस्तैद रहेगी। दिल्ली पुलिस ने होली को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिस ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में ऐसी 24 जगहों को चिह्नित किया है, जो सबसे अधिक संवेदनशील है। दिल्ली पुलिस ने ऐसे स्थानों पर सुरक्षा के लिहाज से कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिस का मानना है कि इन इलाकों में कभी भी किसी भी वक्त लोग हिंसक हो सकते है। ऐसे में इन इलाकों में पुलिस के लिए कानून व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती है। इस बार 14 मार्च को होली और जुमा एक साथ पड़ रहा है। ऐसे में पुलिस के लिए कानून व्यवस्था बनाये रखना एक बड़ी चुनौती है। पुलिस के मुताबिक इन संवेदनशील इलाकों में खासतौर से सीलमपुर, जाफराबाद, शिव विहार, मुस्तफाबाद, भजनपुरा, त्रिलोकपुरी, जहांगीरपुरी, इन्द्रलोक, शाहीन बाग, जामिया और खासतौर से नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के कुछ इलाके शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार करीब 30 हजार से ज्यादा पुलिस के जवान दिल्ली की सड़कों पर 14 मार्च को तैनात रहेंगे। इसके अलावा 24 संवेदनशील जगहों पर पुलिस की खास निगरानी रहेगी। इन जगहों पर पुलिस की लगातार गश्त रहेगी।

यमुना जी के तट पर अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर घाट विकसित करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेता आनंद त्रिवेदी का कहना है पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेयी के देवलोकगमन के उपरांत उनकी अस्थि कलश यात्रा देश के हर राज्य में सम्मान पूर्वक निकाली गयी और प्रमुख नदियों में अस्थि विसर्जन किया गया। इस क्रम में दिल्ली में कलश यात्रा निकाली गई। जिसका समापन दूसरा पुस्ता सोनिया विहार यमुना तट पर किया गया और पवित्र यमुना में अस्थि विसर्जन किया गया। तबके उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष और सांसद मनोज तिवारी एवं समस्त शीर्ष नेताओं ने उस घाट को पूर्व प्रधानमंत्री अटल के नाम से विकसित करने का संकल्प लिया था। आनन्द त्रिवेदी कहते हैं उपरोक्त यमुना तट पर की दशकों से लाखों की संख्या में छठव्रती भगवान भास्कर के अस्ताचल और उदीयमान स्वरूप को अर्घ्य देकर सुख समृद्धि और कल्याण की कामना करते रहे हैं। और उनकी आस्था का जुड़ाव इस घाट से भावनात्मक रूप से है। और अटल जी के प्रति सम्मान भाव भी है पर्यटन की दृष्टि से भी इस तट को विकसित की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। आनंद त्रिवेदी नें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से आग्रह किया उपरोक्त यमुना तट को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नाम से विकसित करें।

कश्मीरी प्रतिनिधिमंडल ने की रेखा गुप्ता से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीरी समिति दिल्ली के अध्यक्ष सुमीर चुंगू के नेतृत्व में बुधवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात करके तहबजारी दुकानों और अन्य मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से तहबजारी दुकानों के बंदोबस्त और अप्रैल 2024 से रोकी गई आर्थिक सहायता (राहत) जारी करने जैसे प्रमुख मुद्दों पर उनसे चर्चा की। उन्हें तहबाजारी दुकान मालिकों के सामने आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया और आर्थिक सहायता (राहत) को समय पर जारी करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

उद्योग मंत्री सिरसा ने की उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन्होंने वर्तमान में चल रहे इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स और नीतियों पर चर्चा की। ताकि पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचें उद्योगों का विकास किया जा सके। बैठक का मुख्य लक्ष्य औद्योगिक वेस्ट से पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करना और इंडस्ट्रियल वेस्ट के निस्तारण पर केंद्रित रहा। मीटिंग में मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, राजधानी दिल्ली में इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स से जुड़े कार्यों की नियमित समीक्षा जरूरी है। इसके लिए उन्होंने उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ इंडस्ट्री विभाग की कार्य प्रगति को लेकर हर हफ्ते समीक्षा बैठक करने का फैसला किया।

इंडस्ट्री मिनिस्टर सिरसा ने की इस बैठक में नई प्रस्तावित औद्योगिक नीति और उसमें दी जाने वाली सुविधाओं पर उद्योग विभाग के अधिकारियों से चर्चा की। श्री सिरसा ने कहा कि दिल्ली में उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा अहम मुद्दा है। इसी पर उन्होंने प्रदूषण को कम करने पर भी विशेष जोर दिया। श्री सिरसा ने बैठक में वर्तमान समय में चल रहे ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स की मंजूरी और बुनियादी ढांचे का काम तेजी से करें, पर साथ में पर्यावरण नियमों का पालन भी सख्ती से करें।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि हमारी सरकार राजधानी में उद्योगों को बढ़ाने एवं नए रोजगार पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसपर उन्होंने अधिकारियों को ऐसी नीतियां बनाने को कहा, जिससे दिल्ली में नए व्यवसाय शुरू हों और दिल्ली के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिल सके। उद्योग मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इंडस्ट्रियल एरिया में कचरा प्रबंधन, बिजली, पानी, सड़कों और ड्रेनेज जैसी सेवाओं को बेहतर करने पर भी जोर दिया। साथ ही मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, ÷हम दिल्ली में उद्योगों को बढ़ाने और पर्यावरण को बचाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। 'विकसित दिल्ली' के लिए यह हमारा मुख्य लक्ष्य है।÷

होली से पहले आडवाणी से मिलकर सीएम रेखा गुप्ता ने लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात के बाद रेखा गुप्ता ने एक्स हैंडल पर लिखा कि देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री और भाजपा के वरिष्ठतम नेता, भारत रत्न आदरणीय श्री लालकृष्ण आडवाणी जी से उनके आवास पर भेंट कर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सुअवसर मिला। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग और समर्पण की एक अनुपम मिसाल है,जो हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी दूरदृष्टि, नीतिगत दृढ़ता और राष्ट्र निर्माण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमें निरंतर जनसेवा और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना करती हूँ। आपका आशीर्वाद और मार्गदर्शन हमें सदा प्राप्त होता रहे। आडवाणी के अलावा आज रेखा गुप्ता भाजपा के संस्थापक सदस्य प्रो. श्री विजय कुमार मल्होत्रा से भी मुलाकात करने पहुंची थीं। रेखा गुप्ता ने लिखा कि भाजपा के संस्थापक सदस्य,वरिष्ठ नेता,प्रख्यात शिक्षाविद एवं समाजसेवी प्रो.विजय कुमार मल्होत्रा जी से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उनका मार्गदर्शन और अनुभव समाज एवं राजनीति के लिए सदैव मूल्यवान रहा है। इस अवसर पर प्रदेश के विकास,शिक्षा और युवा सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। आपका स्नेह, आशीर्वाद और बहुमूल्य मार्गदर्शन पाकर मैं स्वयं को सम्मानित और प्रेरित महसूस कर रही हूं।

आतिशी ने स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को पत्र लिखकर कार्यवाही के प्रति निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र से पहले, आम आदमी पार्टी की नेता और सदन में विपक्ष की नेता आतिशी ने स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को कड़े शब्दों में पत्र लिखकर कार्यवाही के प्रति निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। पत्र में आतिशी ने पिछले विधानसभा सत्र के संचालन की निंदा की और स्पीकर पर पक्षपातपूर्ण माहौल को बढ़ावा देने का आरोप लगाया, जिससे विपक्ष को दरकिनार कर दिया गया। उन्होंने अनुचित व्यवहार की कई घटनाओं को उजागर किया और स्पीकर से सदन में लोकतांत्रिक मानदंडों को बहाल करने के लिए इन चिंताओं को दूर करने का आग्रह किया।

आतिशी ने स्पीकर की भूमिका की तीखी आलोचना करते हुए कहा, 'संसदीय लोकतंत्र में, स्पीकर विधायी बहस के निष्पक्ष संरक्षक के रूप में कार्य करता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिष्टाचार बनाए रखना, हर आवाज को सुनना सुनिश्चित करना और निष्पक्षता के सिद्धांतों को बनाए रखना स्पीकर की जिम्मेदारी है। उन्होंने तर्क दिया कि गुप्ता के नेतृत्व में, इन जिम्मेदारियों को नजरअंदाज किया गया और ऐसी कार्रवाई की गई जो 'मनमाना' और 'स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण' थी।

आतिशी की मुख्य शिकायतों में से एक बोलने के समय का आवंटन था। उन्होंने तर्क दिया कि पिछले सत्र के दौरान, विपक्षी विधायकों को भाजपा सदस्यों की तुलना में बोलने के लिए काफी कम समय दिया गया था। उन्होंने कहा, 'जबकि भाजपा विधायकों को बोलने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, कुछ ने तो 20 मिनट से अधिक समय तक बिना रुके बात की, विपक्षी विधायकों, जिनमें मैं भी शामिल हूं, उसको केवल 3-4 मिनट तक सीमित रखा गया था।'

विपक्षी पार्टी को दिया गया कम बोलने का समय

उन्होंने सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा का उल्लेख किया, जहां भाजपा के 18 वक्ताओं ने कुल 190 मिनट तक बात की, जबकि विपक्ष के केवल पांच वक्ताओं को मात्र 33 मिनट दिए गए। आतिशी ने तर्क दिया कि यह विधानसभा में प्रत्येक पार्टी के पास मौजूद सीटों की संख्या के अनुपात में नहीं था। उन्होंने कहा, ÷हमारी सीटों के अनुपात के अनुसार, आप को बोलने का 32त्न समय मिलना चाहिए था, फिर भी हमें केवल 14त्न समय आवंटित किया गया। यह असंतुलन विधायी बहसों में प्रभावी रूप से भाग लेने की विपक्ष की क्षमता को गंभीर रूप से कमजोर करता है।' आतिशी ने इस बात की ओर भी इशारा किया कि स्पीकर ने व्यवधानों को कैसे संभाला और सदन में सदस्यों का व्यवहार कैसा था। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी विधायकों को आवाज उठाने या असहमति जताने पर दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ा, लेकिन सत्ताधारी पार्टी के उन सदस्यों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिन्होंने इसी तरह या इससे भी बदतर व्यवहार किया।

सत्ताधारी पार्टी ने 'मोदी, मोदी, मोदी' का नारा लगाया

आतिशी ने कहा, '25 फरवरी को एलजी के संबोधन के दौरान, विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी के विधायकों ने नारे लगाए। विपक्ष ने 'जय भीम' का नारा लगाया, जबकि सत्ताधारी पार्टी ने 'मोदी, मोदी, मोदी' का नारा लगाया। जबकि सभी विपक्षी विधायकों को बाहर निकाल दिया गया, लेकिन सत्ताधारी पार्टी के एक भी विधायक को उनके कार्यों के लिए कोई परिणाम नहीं भुगतना पड़ा।' उन्होंने कहा,'ऐसी हरकतें असमानता की भावना पैदा करती हैं, क्योंकि यह स्पष्ट है कि स्पीकर एक पक्ष को दूसरे पर तरजीह दे रहे हैं।' इसके अलावा, आतिशी ने विपक्षी विधायकों को विधानसभा परिसर में प्रवेश से अभूतपूर्व रूप से वंचित करने पर चिंता जताई।

दिल्ली नगर निगम का बजट सत्र कोरम अभाव में हुआ स्थगित

-पार्षदों ने सुझाव कम रखें, आरोप ज्यादा लगाये

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) मुख्यालय में बुधवार को निगम के संशोधित बजट अनुमान 2024-25 और बजट अनुमान 2025-26 पर चर्चा आयोजित की गई। लेकिन बजट सत्र के दौरान कोरम (पार्षदों की निर्धारित संख्या से कम उपस्थिति) अभाव में स्थगित करना पड़ा और स्थगित होने से पहले बजट सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने सुझाव कम रखें जबकि एक दूसरे पर आरोप ज्यादा लगाये। बता दें कि दिल्ली नगर निगम मुख्यालय में आयोजित होने वाली सदन बैठकों में हंगामा होना आम बात रही है लेकिन बुधवार को बजट सत्र का आयोजन महापौर महेश कुमार खींची की अनुपस्थिति में आयोजित हुआ।

ऐसी स्थिति में गिमग में उप महापौर रविंद्र भारद्वाज की अध्यक्षता में पहले करीब ढाई घंटे बजट सत्र शांतिपूर्वक चला लेकिन करीब ढाई घंटे बाद बैठक से अनेकों पार्षद चले गए, जिसके चलते कोरम में पार्षदों की संख्या कम हो गई और बजट सत्र की बैठक स्थगित कर दी गई। बता दें कि बैठक में सत्तापक्ष आम आदमी पार्टी के पार्षद अंकुश नारंग की तरफ से बजट पर चर्चा शुरू हुई। उसके बाद विपक्ष में बैठे भाजपा के पार्षद जयभगवान यादव ने भी चर्चा शुरू की। बजट सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेसे के पार्षदों ने अपनी बात रखी और अपने दल की उपलब्धियां गिनाते हुए विपक्षी दल की कमियां निकाली। आप पार्षद व पूर्व महापौर डॉ शैली ओबरॉय, भाजपा पार्षद योगेश वर्मा, हेमचंद्र गोयल,

संदीप कपूर, राकेश जोशी, नरेंद्र गिरसा, रमेश प्रधान, सुनील चड्ढा, सुनील राय, राकेश कुमार, प्रीति, चित्रा, रेनू चौधरी और धीरेंद्र कुमार ने अपने विचार रखे।

इंतजार करते रह गए पार्षद

बजट सत्र बैठक के दौरान भले ही होली मिलन कार्यक्रमों में शामिल होने की बात पार्षदों ने खुलकर नहीं की लेकिन बैठक में पार्षदों की घटती संख्या से यह साबित हो गया कि पार्षद बजट सत्र के लिए गंभीर नहीं है और जब सत्र स्थगित हो गया तो उन पार्षदों ने रोष व्यक्त किया जो बजट सत्र के दौरान बोल नहीं सके।

अधिकारी भी नहीं दिखे गंभीर

बजट सत्र दिल्ली नगर निगम के लिए सबसे गंभीर विषय माना जाता है क्योंकि इसमें निगम का वार्षिक लेखा जोखा निहित होता है लेकिन बुधवार को सत्र के दौरान जो हो रहा था, वह चिंता का विषय है। पार्षदों की संख्या कम होना तो एक राजनीतिक विषय है लेकिन वहीं अधिकारी भी बजट सत्र की बैठक से बीच में गायब हो जाए यह चिंता का विषय बताया गया।

होली पर मुफ्त सिलेंडर देने के भाजपा के वादे को लेकर 'आप' कार्यकर्ताओं का दिल्ली में प्रदर्शन, कई नेता लिए गए हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। नआम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली व चुनाव में बीजेपी के वादों को याद दिलाने के लिए बुधवार को दिल्ली में कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह सवाल किया कि होली पर मुफ्त सिलेंडर देने का वादा कब पूरा होगा? ÷आप÷ नेताओं ने आरोप लगाया कि बीजेपी चुनावों से पहले बड़े-बड़े वादे करती है, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें भूल जाती है। प्रदर्शनकारि?यों ने कहा कि पहले बीजेपी ने महिलाओं को 2500 रुपये देने का वादा किया, लेकिन वह भी पूरा नहीं किया। अब होली पर मुफ्त गैस सिलेंडर देने की घोषणा भी जुमला साबित होती दिख रही है। दिल्ली के आईटीओ पर जब 'आप' नेता और पूर्व विधायक ऋतुराज और पार्टी कार्यकर्ताओं ने बीजेपी के वादे को याद दिलाने के लिए प्रदर्शन किया, तो दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस पर 'आप' ने बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि क्या अब बीजेपी को उसके वादे याद दिलाना भी अपराध है? ÷आप÷ ने सवाल उठाया कि अगर बीजेपी सरकार ने होली पर मुफ्त सिलेंडर देने का वादा किया था, तो अब वह अपने ही बयान से क्यों मुकर रही है? 'आप' कार्यकर्ताओं ने संगम विहार, कालकाजी और मंडी हाउस समेत दिल्ली के कई इलाकों में प्रदर्शन किया। दिल्ली की पूर्व मेयर शैली ओबेरॉय ने मंडी हाउस पर प्रदर्शन का नेतृत्व किया और बीजेपी से उसके वादे को पूरा करने की मांग की। 'आप' ने बीजेपी पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनावों से पहले मुफ्त सुविधाओं के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब जनता सवाल पूछती है, तो पुलिस का सहारा लेकर प्रदर्शनकारियों को दबाया जाता है। ÷आप÷ का आरोप है कि अब सवाल यह है कि क्या बीजेपी सरकार दिल्लीवासियों को वादा किए गए मुफ्त सिलेंडर देगी या यह भी एक और चुनावी जुमला साबित होगा?

कांग्रेस पार्टी 'आप' के साथ गठबंधन नहीं करना चाहती : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे और कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने साफ किया है कि उनकी पार्टी आगामी गुजरात और गोवा विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन नहीं करेगी। हाल ही में आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने मडगांव में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा था कि 'आप' गुजरात और गोवा विधानसभा चुनाव अपने दम पर अकेले लड़ेगी। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा, ÷इसमें नया क्या है? वास्तव में उनके साथ गठबंधन कौन कर रहा है? खुद ही अपने मियां मिट्ठू बन रहे हैं, उनसे कौन गठबंधन कर रहा है? अगर वे गठबंधन करना चाहते हैं, तो तृणमूल कांग्रेस या समाजवादी पार्टी (सपा) जैसी पार्टियों के साथ गठबंधन कर सकते हैं, जिनका मुख्य एजेंडा कांग्रेस के वोटों को काटना है। कांग्रेस उनके साथ कोई गठबंधन नहीं कर रही है।÷ अवैध बैनर को लेकर दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश पर संदीप दीक्षित ने कहा, ÷अगर क्राइम हुआ है तो उस पर केस चलना चाहिए, ऐसी चीजें बहुत कम होती है कि कोर्ट इस पर फैसला लेता है। लेकिन, अगर कानून का उल्लंघन हुआ है तो केस होना चाहिए। मैं इस पर दिल्ली पुलिस, एमसीडी और डीडीए से एक और बात कहूंगा कि इस कानून या ऑर्डर का संज्ञान लेते हुए, पूरी दिल्ली में सार्वजनिक जगहों पर पोस्टर-होर्डिंग लगाए जाते हैं, चाहे सरकारी जगह हो या प्राइवेट, यहां तक कि खंभों पर भी लग जाते हैं, इस पर भी ध्यान दें क्योंकि कोर्ट ने इस बात को कहा है कि आप पब्लिक प्रॉपर्टी पर अपने होर्डिंग या पोस्टर नहीं लगा सकते। ये धड़ल्ले से होता है। ऐसा सिर्फ अरविंद केजरीवाल ने ही नहीं किया है, ठीक है, वो पकड़े गए हों, उन पर सजा होगी। लेकिन, बाकी जितने हैं, कभी जन्मदिन के लगते हैं, कभी सार्वजनिक जगहों पर लोग झाड़े लगाते हैं, उस पर भी एक तरीके से रोक लगनी चाहिए।÷ संदीप दीक्षित ने उत्तर प्रदेश के मंत्री रघुराज सिंह के होली पर दिए विवादित बयान 'रंगों से दिक्कत है तो हिजाब की तरह तिरपाल ओढ़कर निकलें' पर भी रिएक्शन दिया। उन्होंने रघुराज सिंह के बयान को गलत बताते हुए कहा कि होली हमेशा से खेली गई है, होली के दिन चाहें रमजान हो या कोई त्योहार हो या न हो। कई लोग होली खेलने से परहेज करते हैं। हिंदू समाज में लोग अलग-अलग तरीके से होली मनाते हैं, कोई सिर्फ टीका लगवाते हैं। कुछ रंग से परहेज करते हैं। समाज में हजारों सालों से अलग-अलग समुदायों ने अलग-अलग धर्म के त्योहारों को मनाना सीखा है, लेकिन भाजपा इस पर राजनीति कर रही है, यह बहुत गलत बात है। उन्होंने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर कहा कि इसमें सिर्फ कांग्रेस ही नहीं है, इसमें बीजेडी, तृणमूल कांग्रेस भी है। तमाम पार्टियां पूछ रही हैं कि महाराष्ट्र में दो महीने में 80 लाख वोटर कैसे बढ़ गए, दिल्ली और हरियाणा में कैसे बढ़ गए, अचानक बढ़ जाते हैं, जो चीज आज तक

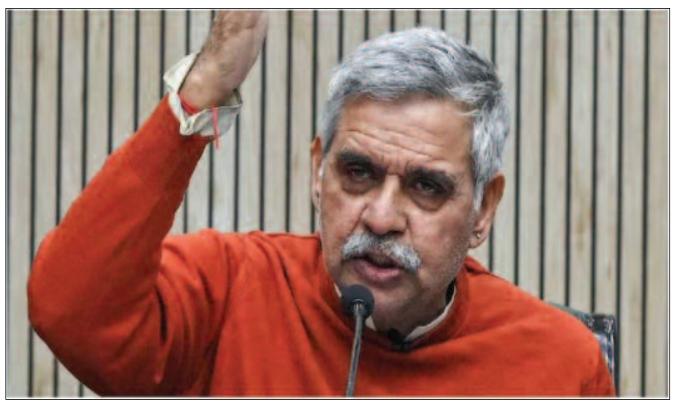

नहीं होती है, वह दो-दो महीने में इलेक्शन कमीशन कर देता है। इलेक्शन कमीशन के पास कोई जवाब नहीं है, इलेक्शन कमीशन तो पब्लिक इंस्टीटूशन है। इनकम टैक्स भी अचानक बढ़ जाता है तो वो पूछते हैं कि अचानक कैसे बढ़ गया? लेकिन, इलेक्शन कमीशन किस अहंकार में घूम रही है?

होली से पहले मुजफ्फरपुर जिले में थाने से गायब हो गई जब्त शराब

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मुजफ्फरपुर जिले में होली से पहले बड़ा कांड हो गया। बेला थाना में जब्त शराब को गायब करने का मामला सामने आया है। मामले में थाने के निजी मुंशी सहित दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। जांच में थानाध्यक्ष की लापरवाही सामने आने पर उन्हें निलंबित कर दिया है। वहीं अन्य पदाधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। बता दें कि बेला थाना परिसर में शराब विनिष्टीकरण के दौरान करीब एक दर्जन से अधिक कार्टन शराब गायब कर दी गई। शराब गायब करने के खेल में शामिल थाने के निजी मुंशी सुजीत और इलाके के मो. शहादत को गिरफ्तार किया था। शराब लदी एक कार भी जब्त की गई। गिरफ्तार मो. शहादत थाने के शांति समिति सदस्य बताया गया है। उसके एक राजनीतिक दल से भी जुड़े होने की चर्चा है। विदित हो कि हाल ही में बेला थाना क्षेत्र से भारी मात्रा में शराब जब्त की गई थी। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर बेला थाना परिसर में जब्त शराब को विनिष्ट किया जा रहा था। इसी दौरान वहां से शराब के कई कार्टन मजदूरों से गायब करा दिया गया।

दिल्ली पुलिस ने दो दिन में 30 अवैध घुसपैठियों को पकड़कर डिटेंशन सेंटर भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस ने पिछले दो दिनों में 30 से ज्यादा अवैध घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। दक्षिणी दिल्ली से 10 से ज्यादा बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए हैं। पुलिस ने बाहरी जिले में अवैध रूप से रह रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर डिपोर्ट के लिए भेज दिया है। पकड़े गए इन लोगों की पहचान कुरीग्राम निवासी सफरुद्दीन, इब्राहिम और सोराब के रूप में हुई है। उत्तरी जिला पुलिस ने सदर बाजार इलाके में रहने वाले एक बांग्लादेशी और उसके बेटे को भी गिरफ्तार किया है। उनके पास वोटर कार्ड भी मिला है। इनकी पहचान मोहम्मद बिलाल और बेटे फारूक के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार बांग्लादेशियों को डिपोर्ट के लिए डिटेंशन सेंटर भेज दिया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जिले की फॉरेन सेल लगातार दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए सत्यापन अभियान चला रही है। इसके तहत 10 मार्च को फॉरेन सेल को कुछ संदिग्धों के पीरागढ़ी इलाके में घूमने की सूचना मिली थी। पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी। पुलिस को तीन व्यक्ति पीरागढ़ी कैंप की तरफ जाते दिखाई दिए। तीनों बंगाली में बात कर रहे थे। पुलिसकर्मियों ने तीनों को हिरासत में ले लिया। पहले तो संदिग्धों ने बताया कि वे पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर तीनों ने खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताया। तीनों ने अपना नाम सफरुद्दीन, इब्राहिम और सोराब बताया। पकड़े गए लोगों ने बताया कि वह सत्यापन के चलते इस इलाके में छिपने के लिए झुग्गी-झोपड़ी की तलाश कर रहे थे। पुलिस ने तीनों को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

लखनऊ के एक होटल के कमरे में मृत मिली उज़्बेकिस्तान की महिला

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित एक होटल के कमरे में 43 वर्षीय एक विदेशी महिला का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि उज़्बेकिस्तान की महिला एगंबरडीवा ज़ेबो पिछले दो मार्च को सतनाम नामक युवक के साथ आई और होटल में ठहरी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सतनाम बाद में वापस चला गया और उसके बाद महिला ही होटल में रुकी थी। पुलिस ने बताया कि आपातकालीन हेल्पलाइन 112 पर एक कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि विजयंतखंड में होटल अतिथि इन के कमरा 109 में एक महिला बेहोश पड़ी है। सूचना मिलने पर, पुलिस की एक टीम होटल पहुंची और अचेत महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। शुरुवाती जांच में सामने आया हैं कि ज़ेबो दो मार्च को दिल्ली के सतनाम सिंह (26) नामक एक व्यक्ति के साथ होटल में रुकी थी। सतनाम कथित तौर पर पांच मार्च को होटल से चला गया और इसके बाद महिला कमरे में अकेली ही रह रही थी। विदेशी महिला ने जब कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, तब होटल के कर्मचारी उसके कमरे में घुसे और महिला को बिस्तर पर बेहोश पाया

मणिपुर में अलग-अलग घटनाओं में 12 उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में पिछले 24 घंटों में अलग-अलग घटनाओं में 12 उग्रवादी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से हथियार भी बरामद हुए हैं। बरामद हथियारों में 7.62 मिमी एसएलआर के साथ मैगजीन, 5.56 मिमी इंसास राइफल, 22 राइफल, 2 बोर डबल बैरल बंदूक, हैंड ग्रेनेड, स्टन ग्रेनेड शामिल हैं। ये हथियार इंफाल पूर्वी जिले के इरिलबुंग-पीएस के अंतर्गत केइराओ वांगखेम से बरामद किए हैं।

पुलिस ने कहा कि मादक पदार्थ के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान संदीप देसवाल के रूप में हुई है, जो सेनापति जिले के सेनापति-पीएस के अंतर्गत एनएच-2 के टी खुल्लेन में 17.34 किलोग्राम अफीम ले जा रहा था। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग-पीएस के अंतर्गत तेरा उराक स्थित केसीपी के एक फार्म हाउस अस्थायी शिविर से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के सात सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर जिले से पीआरईपीएके के एक कैडर को गिरफ्तार किया। एक अन्य घटना में सुरक्षा बलों ने केसीपी (ताइबंगनबा) समूह के एक कैडर को गिरफ्तार किया। एक अन्य संयुक्त अभियान में मणिपुर पुलिस और जीआर ने इंफाल पूर्वी जिले से केवाईकेएल के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने इंफाल पूर्वी जिले के पोरोमपट-पीएस के अंतर्गत डीडीके इंफाल गेट के पास खुराल चिंगंगबाम लेईकाई से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के दो सक्रिय कैडरों गिरफ्तार किया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बदलाव की आहट के बीच, बैज और मरकाम ने की शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बड़े बदलाव की आहट है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के दो दिनों के दिल्ली प्रवास में शीर्ष नेताओं से भेंट मुलाकात यूँ ही अचानक इत्तफ़ाक़ नहीं। बात, मुलाकात की भनक किसी को न लगे इसके लिए दीपक बैज ने कमरा तो बुक कराया छत्तीसगढ़ भवन में, लेकिन ठौर बनाया कहीं और। उन्हें संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल ने बुलाया था। वेणुगोपाल और प्रभारी सचिन पायलट से लंबी लंबी मुलाकात के बाद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनकी मीटिंग हुई। जाहिर है जब मीटिंग वन टू वन अकेले में हो तो खबरें छन कर ही आती हैं। औपचारिक रूप से कोई बात नहीं करता। सीधे सवालों के सीधे जवाब नहीं मिले तो सूत्र एक्टिव हुए। सूत्रों ने तहकीकात कर जानकारी दी कि आलाकमान दीपक बैज को प्रतिष्ठा पूर्ण तरीके से एड्जस्ट कर छत्तीसगढ़ के लिए नये प्रदेश अध्यक्ष को जिम्मेदारी देना चाहता है। जाहिर है पूर्व

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को एआईसीसी का महासचिव बनाने के बाद पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को पीसीसी की जिम्मेदारी देने पर विचार हुआ था। जैसे ही खबर बाहर आई सूत्रों ने बताया की राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री शिव डहरिया और अमरजीत भगत ने दिल्ली पहुँच कर नेतृत्व के समक्ष इस बात को रखा कि आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष को हटा कर राज घराने के टीएस सिंहदेव को कमान सौंपे जाने पर आदिवासी समाज में अच्छा मैसेज नहीं जायेगा। सूत्रों ने बताया कि दीपक बैज को अभी और समय देने के पक्ष में खुद भूपेश बघेल भी हैं। अब गेंद आलाकमान के पाले में है। सूत्रों ने बताया इसी रीति नीति के तहत छत्तीसगढ़ को लेकर सीरियस विमर्श चल रहा है। पार्टी के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दीपक बैज को अगर कंटिन्यू करने पर अंतिम निर्णय होता है तो दो कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने पर भी विचार चल रहा है। साथ ही सिंहदेव और मरकाम को क्या जिम्मेदारी दी जा सकती है इस पर भी मंथन चल रहा है। ज्यादा उम्मीद है कि मरकाम को एआईसीसी में किसी प्रकोष्ठ की कमान सौंपी जा सकती है। सिंहदेव को पीसीसी की कमान देकर आदिवासी और ओबीसी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने पर भी विचार जारी है। बहरहाल, बात मुलाकात कर दीपक बैज और मोहन मरकाम रायपुर रवाना हो गए हैं।

नीतीश भांग पीकर आते हैं विधानपरिषद में : राबड़ी देवी

पटना। बिहार विधानपरिषद में बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रतिपक्ष की नेता राबड़ी देवी के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। नोकझोंक के बाद अन्य विपक्षी सदस्यों के साथ सदन के मुख्य द्वार पर धरना देने पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार भंगेड़ी हैं और भांग पीकर सदन में आते हैं। वहीं, उनके (राबड़ी देवी के) बेटे और बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव कुमार को मानसिक रूप से अस्थिर बताते हुए उनके इस्तीफा मांग रहे हैं। विधानपरिषद में यह समस्या तब शुरू हुई जब राजद की सहयोगी भाकपा (माले) की सदस्य शशि यादव सदन के समक्ष यह कहने के लिए अपनी कुर्सी से खड़ी हुईं कि वह अपने प्रश्न का सरकार द्वारा दिये गए उत्तर से संतुष्ट नहीं हैं। विधानपरिषद के सदस्य कुमार ने अपनी सीट बैठे-बैठे ही यह टिप्पणी की कि ''सरकार बहुत कुछ कर रही है। पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया।'' कुमार के जवाब से असंतुष्ट राबड़ी देवी ने हस्तक्षेप करते हुए उनसे कहा कि आप दावा करते हैं कि आपके कार्यभार संभालने से पहले कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''कृपया उस अवधि के रिकॉर्ड तलब करें। आप बेहतर तौर पर समझ जाएंगे।

संभल में होली और जुमे की नमाज को लेकर कड़े सुरक्षा इंतजाम

संभल (एजेंसी)। होली और जुमे की नमाज को लेकर संभल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। संभल जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) केके विश्नोई ने बताया कि कुल 49 अतिसंवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर लिया गया है। इन सभी स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी प्रकार की जबरदस्ती को बर्दाश्त नहीं होगी। यदि कोई व्यक्ति जबरन किसी को गुलाल लगाता है या किसी के साथ अभद्रता करता है, तब तुरंत पुलिस चौकी में रिपोर्ट करनी चाहिए। पुलिस इसतरह के मामलों में कड़ी कार्रवाई करेगी और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

एसपी विश्नोई ने जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग त्यौहार को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि होली का उत्सव दोपहर 2.30 बजे तक मनाया जाए और उसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोग जुम्मे की नमाज अदा करें। इससे कोई भी धार्मिक आयोजन प्रभावित नहीं होगा और समाज में शांति व सद्भाव बना रहेगा।

एसपी विश्नाई ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन की मदद से भीड़भाड़ वाले इलाकों पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा, प्रमुख चौक-चौराहों और बाजारों में पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

एसपी ने जिले के दोनों समुदायों से अपील की कि वे एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। अगर किसी को कोई भी शंका या समस्या होती है, तब वे तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

संभल प्रशासन की ओर से सुनिश्चित किया जा रहा है कि त्यौहारों के दौरान सभी आवश्यक कदम उठाए जाए। फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, और अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कर सके। पुलिस अधिकारियों की पेट्रोलिंग लगातार जारी रहेगी और हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। एसपी विश्नोई ने सभी नागरिकों से अनुरोध कर कहा कि वे प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

वन नेशन वन इलेक्शन कराने के मोदी की सरकार के खिलाफ हुए पूर्व सीजेआई गोगोई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई वन नेशन वन इलेक्शन कराने के प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के रुख के खिलाफ है। दरअसल, वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर बनाए जाने वाले कानून से पहले जस्टिस गोगोई ने यह राय दी है। इस प्रस्तावित कानून से संबंधित विधेयक संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास है। इसको लेकर हुई संसदीय समिति की बैठक में रंजन गोगोई ने अपनी राय रखी है, जो सरकार के रुख से अलग है।

जस्टिस गोगोई ने कहा कि चुनाव आयोग को किसी राज्य के विधानसभा के कार्यकाल का निर्णय करने के लिए अनियंत्रित शक्तियां नहीं दी जा सकतीं। गोगोई ने संसद की संयुक्त समिति के साथ तीन घंटे की चर्चा में एक साथ चुनावों पर बिल में खामियों की ओर इशारा किया। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव आयोग (ईसी) को शेड्यूल तय करने के लिए अनियंत्रित शक्तियां देना उचित नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसदीय संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 की समीक्षा कर रही है, जिसे 17 दिसंबर, 2024 को लोकसभा में पेश किया गया था। यह विधेयक चुनाव आयोग को लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने का अधिकार देने का प्रयास करता है।

सूत्रों के अनुसार, डीएमके राज्यसभा सदस्य पी। विल्सन ने बताया कि नए बिल की धारा 82 ए(5) में कहा गया है कि यदि ईसी की राय है कि किसी विधानसभा के चुनाव लोकसभा के आम चुनाव के साथ नहीं कराए जा सकते, तो वह राष्ट्रपति को सिफारिश कर सकता है कि उस विधानसभा के चुनाव बाद में कराए जाएं। चुनाव आयोग के लिए समय सीमा निर्दिष्ट न करके, क्या यह कानून उसे मनमानी और अनियंत्रित शक्तियां नहीं दे रहा है। जस्टिस गोगोई ने इस तर्क को स्वीकार किया और कहा कि यह उचित नहीं होगा और इस धारा को संशोधित करने की आवश्यकता है ताकि खामियों को दूर किया जा सके और यह कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। उन्होंने कहा कि ईसी को राज्य विधानसभा के कार्यकाल को बढ़ाने या घटाने के लिए अनियंत्रित शक्तियां नहीं दी जा सकतीं। चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने 1991 के आम चुनावों का उदाहरण भी दिया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने पंजाब में कानून और व्यवस्था की स्थिति का हवाला देते हुए राज्य में आम चुनाव रोक दिए

थे। पंजाब की लोकसभा सीटों के चुनाव 1992 में विधानसभा चुनाव के साथ हुए थे। चुनाव आयोग के पास केंद्र सरकार के विपरीत ऐसे निर्णय लेने के लिए मशीनरी नहीं है। पिछली बैठक में भारत के पूर्व मुख्य जस्टिस यूयू ललित ने भी बिल में कई खामियों की ओर इशारा किया था और कहा था कि यह कानूनी चुनौती का सामना नहीं कर सकता।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति वेंस और खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड आएंगे भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई अमेरिकी सरकार के दो बड़े अधिकारी भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। अगले हफ्ते अमेरिकी खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड भारत आएंगी। इसके बाद मार्च के आखिरी सप्ताह में उप राष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी उषा वेंस के संग भारत आएंगे। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड एशिया की यात्रा पर जा रही हैं। अगले सप्ताह भारत में एक सुरक्षा सम्मेलन में वह शामिल होंगी। सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में गबार्ड ने घोषणा की कि वह जापान, थाईलैंड और भारत की यात्रा कर रही हैं और वापस अमेरिका लौटते समय फ्रांस जाएंगी। ट्रंप प्रशासन में शामिल होने के बाद यह उनकी दूसरी यात्रा है।

नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर बनने के बाद उन्होंने जर्मनी के म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया था। नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग में तुलसी का भाषण भी होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जोनाथन पॉवेल और कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा सीएसआईएस के डायरेक्टर डेनियल रॉर्स के भी सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने की उम्मीद है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय ने 2022 से भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर देश के प्रमुख सम्मेलन रायसीना डायलॉग के मौके पर सुरक्षा सम्मेलन की मेजबानी की है। उनके अलावा अमेरिका में ट्रंप के नंबर दो यानी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसी महीने के अंत में भारत की यात्रा करेंगे। अमेरिका का उपराष्ट्रपति बनने के बाद जेडी वेंस की यह दूसरी विदेश यात्रा होगी। पोलिटिको की एक रिपोर्ट के मुताबिक जेडी वेंस के साथ उनकी पत्नी उषा वेंस भी होंगी। वेंस ने पिछले महीने फ्रांस और जर्मनी की अपनी पहली विदेश यात्रा की थी। अपनी पहली विदेश यात्रा के दौरान जर्मनी के म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक उग्र भाषण दिया था, जहां उन्होंने अवैध प्रवासन से निपटने, धार्मिक स्वतंत्रता की अनदेखी करने और चुनावों को पलटने के लिए यूरोपीय सरकारों की आलोचना की।

शुभेंदु के बयान पर ममता का पलटवार, मैं एक हिंदू हूं और मुझे भाजपा से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की टिप्पणी की आलोचना की। सीएम ममता ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह रमजान के पवित्र महीने में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा हैं ताकि आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। विधानसभा में सीएम बनर्जी ने कहा, लोकतंत्र स्थायी है, लेकिन कुर्सी नहीं। कुर्सी का सम्मान करें। वे सांप्रदायिक बयान देकर देश का ध्यान आर्थिक और व्यापारिक पतन से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं एक हिंदू हूं और मुझे भाजपा से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।

बीजेपी नेता अधिकारी के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा, हमें संकल्प लेना चाहिए और एक धर्म को नीचा दिखाने वाले बयान की निंदा करनी चाहिए। ममता ने कहा, हिंदुओं की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है, सिर्फ आपकी नहीं। यह इस कुर्सी की जिम्मेदारी है। यह टिप्पणी राज्य में चल रहे राजनीतिक तनाव के बीच आई है, जिसमें भाजपा और टीएमसी धार्मिक और शासन के मुद्दों पर तीखी नोकझोंक कर रहे हैं। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा था, सबसे पहले मैं बिमान बंधोपाध्याय (स्पीकर) को हराऊंगा, फिर ममता को। इसके बाद, जब बंगाल में भाजपा सरकार आएगी तब टीएमसी के उन मुस्लिम विधायकों को सड़क पर फेंक दिया जाएगा।'

ममता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए बीजेपी अधिकारी ने कहा, ममता ने समाज को बांट दिया है... राम मंदिर उद्घाटन के दिन ममता ने बंगाल में मार्च निकाला... टीएमसी हिंदू विरोधी सरकार है। हिंदू हितों के लिए जो भी जरूरी होगा, मैं करूंगा। ममता हटाओ... चोर ममता हटाओ! इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के हर जिले में मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक समिति बनाई थी।

फसल पर फिर मंडराया संकट, कई राज्यों में बारिश के अलर्ट ने किसानों की बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल पर तक कठिन परिश्रम करने के बाद तैयार हुई फसल पर संकट के बादल घिरते नजर आ रहे हैं। इसी बीच मौसम ने ऐसी करवट बदली है, जिसने किसानों की टेंशन बढ़ा दी है। मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का छोटा स्पेल इस वक्त उत्तर भारत में सक्रिय हो चुका है। पंजाब-हरियाणा सहित राजस्थान-यूपी में गुरुवार से बारिश का दौर शुरू होने वाला है। बारिश के साथ ओले पड़ने की भी आशंका जताई जा रही है, जिसे लेकर किसान चिंतित हैं। बताया गया कि 13 से 15 मार्च तक मौजूदा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का यह स्पेल सक्रिय रहेगा। इसके कारण पहाड़ी क्षेत्र जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी हो सकती है। उधर, पाकिस्तान के अलावा उत्तर पश्चिमी राजस्थान सहित पंजाब, दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा व उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों

में में चक्रवाती परिसंचरण के कारण बारिश हो सकती है। दावा किया जा रहा है कि कुछ स्थानों पर बारिश के साथ-साथ ओले भी पड़ने की संभावना है। पिछले साल भी इस मौसम में देश के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ा था। कहा गया कि एक और इस बारिश और ओलावृष्टि से हिमालयी राज्यों में बर्फबारी की कमी दूर होगी। वहीं दूसरी ओर उत्तर भारत के किसान आसमान से आ रही आफत को देखते हुए सावधान रहने की जरूरत है। फसल कटने के वक्त से ठीक पहले तेज बारिश और ओले पड़ने के कारण गेहूं की फसल पर इसका भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। किसानों को उम्मीद है कि इस साल अच्छी फसल होगी। लेकिन कटाई के वक्त मौसम में यह बदलाव देश के अन्नदाताओं पर कहर ढहा सकता है। स्काईमेट वेदर की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ भूमध्यसागर से उठने वाले तूफान हैं, जो सर्दियों में पश्चिमी हिमालय में बारिश और बर्फबारी का कारण बनते हैं। मार्च आते-आते इनकी सक्रियता अमूमन कम होने लगती है लेकिन इस बार मौसम का मिजाज कुछ अलग है।

भारत के बड़े मंदिर करते हैं जमकर कमाई, सरकार को देते हैं भारी भरकम टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में लाखों मंदिर हैं और इनसे होने वाले करोड़ों की कमाई और उस पर टैक्स को लेकर इन दिनों एक बहस छिड़ी हुई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बीजेपी सरकार मंदिरों को जीएसटी बकाया का नोटिस भेज रही है। उधर, बीजेपी ने इस मामले में कांग्रेस पर हमला बोला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक विश्लेषण के बाद पता चला है कि भारत का सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम है, जो वित्त वर्ष 2025 में अपनी 4,774 करोड़ रुपए की वार्षिक आय पर 1.5 फीसदी से कम जीएसटी का भुगतान करेगा। नवंबर 2024 में, देश के सबसे धनी मंदिरों में से एक तिरुवनंतपुरम के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर को बकाया टैक्स भुगतान के लिए नोटिस भेजा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साल साल की अवधि के लिए मांग केवल 1.57 करोड़ रुपए की थी, जबकि मंदिर ने अकेले 2014 में 700 करोड़ रुपए कमाए थे।

वहीं वैष्णो देवी मंदिर ने वित्त वर्ष 2024 में 683 करोड़ रुपए कमाए, जिसमें से 255 करोड़ रुपए चढ़ावे से आए, जो टैक्स-फ्री हैं और 133.3 करोड़ रुपए ब्याज से आए। टीटीडी के मामले में 4,800 करोड़ रुपए की कमाई में से एक तिहाई से ज्यादा हुंडी संग्रह से आए हैं। इस मामले में जीएसटी के तहत टैक्स लायबिलिटी वित्त वर्ष 2021 से पांच सालों में करीब 130 करोड़ रुपए रही है। हालांकि, इस मामले में मंदिरों के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन भारत के दो सबसे बड़े मंदिर ट्रस्टों की आय पिछले सात सालों में दोगुनी हो गई है।

साल दर साल मंदिरों की आय बढ़ रही है जिसमें तिरुपति ट्रस्ट का वित्त वर्ष 2017 में बजट 2,678 करोड़ था, जो इसकी वेबसाइट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 5,145 करोड़ रुपए हो गया। वैष्णो देवी ट्रस्ट की आय वित्त वर्ष 2017 में 380 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 683 करोड़ रुपए हो गई है। संसद में दी गई जानकारी के मुताबिक तिरुपति मंदिर ने वित्त वर्ष 2017 में 14.7 करोड़ रुपए, वित्त वर्ष 2022 में 15.58 करोड़ रुपए, वित्त वर्ष 2023 में 32.15 करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2024 में 32.95 करोड़ रुपए का जीएसटी भुगतान किया गया।

वहीं प्रसाद और धार्मिक समारोह जीएसटी संग्रह से मुक्त होते हैं। टीटीडी और वैष्णो देवी के मामले में यह आय एक तिहाई से ज्यादा थी। वित्त वर्ष 2024 में वैष्णो देवी मंदिर ट्रस्ट ने अपनी आय का 37 फीसदी दान से अर्जित किया। वहीं, वित्त वर्ष 2025 में टीटीडी को दान से करीब 4,800 करोड़ रुपए अर्जित करने की उम्मीद है। यदि कमरे का शुल्क एक हजार रुपए से ज्यादा है और यदि सामुदायिक हॉल या खुले क्षेत्र का शुल्क 10 हजार रुपए से ज्यादा है, तो परिसर के किराए पर जीएसटी

लगाया जाता है। व्यवसाय के लिए किराए पर दी गई दुकानों और अन्य स्थानों पर भी जीएसटी नहीं लगता है, यदि मासिक किराया 10 हजार रुपए से कम है।

राग-रंग का लोकप्रिय पर्व होली

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता हैं। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता हैं। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखत: धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

विशिष्ट उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोतसव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के श्रृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

आधुनिकता का रंग

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

होली खेलने से पहले इन बातों का रखें ध्यान!

रंगों और खुशियों के त्योहार होली के रंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े. त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -

- कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें.
- होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा झुलस सकती हैं और रंग काला पड़ सकता है.
- बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेसू के फूल वाले रंग से होली खेलें. कानों के पीछे, उंगलियों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना नहीं भूलें. बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे आपके बाल रूखे भी नहीं होंगे.
- शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, क्योंकि भीगने पर सिंथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है.
- फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है. इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाए जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मले नहीं, क्योंकि इससे लालिमा, खरोंच या दानें पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है.
- होली खेलने के बाद सौम्य फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि हार्श साबुन से त्वचा रूखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बॉडी लोशन जरूर लगाएं.
- बालों को सौम्य हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धुलें, ताकि अभ्रक युक्त और केमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं, शैम्पू के बाद बालों का रूखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींबू का रस मिलाकर धुलें या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे.

होलिका दहन पर भद्रा का साया और होली पर चंद्र ग्रहण, जानिए कब क्या करें?

होलिका दहन के बाद दूसरे दिन होली खेली जाती है जिसे धुलेंडी कहते हैं। धुलेंडी यानी रंगवाली होली। इस बार होलिका दहन और धुलेंडी पर भद्रा के साथ ही चंद्र ग्रहण का योग भी बन रहा है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि होलिका दहन की पूजा कब करें और कब होली खेलें। हिंदू पंचांग अनुसार 13 मार्च 2025 गुरुवार को होलिका दहन होगा और 14 मार्च शुक्रवार को धुलेंडी रहेगी लेकिन क्या है होलिका दहन का मुहूर्त और कब खेलें होली।

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ- 13 मार्च 2025 को सुबह 10 :35 बजे से प्रारंभ।

पूर्णिमा तिथि समाप्त- 14 मार्च 2025 को दोपहर 12 :23 बजे समाप्त।

भद्रा पूंछ- शाम को 06ः57 से रात्रि 08ः14 तक।

भद्रा मुख- रात्रि 08ः14 से रात्रि 10ः22 तक।

दिनांक 14 मार्च 2025 शुक्रवार को सुबह 09 :29 बजे से दोपहर 03 :29 बजे तक यह पूर्ण चंद्र ग्रहण लगेगा। होलिका दहन और होली पर भारत में चंद्र ग्रहण का प्रभाव नहीं रहेगा क्योंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। होली पर चंद्र ग्रहण और सूतक काल का कोई प्रभाव नहीं रहेगा इसलिए धुलेंडी का पर्व मनाया जा सकता है।

13 मार्च 2025 को रात्रि में भद्रा के पूंछ काल में होलिका दहन कर सकते हैं। यदि भद्रा को छोड़ना है तो होलिका दहन श्रेष्ठ मुहूर्त- मध्यरात्रि 11 :26 से 12 :30 के बीच। इसके बाद दूसरे दिन रंग वाली होली खेल सकते हैं।

क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं चित्रों के माध्यम से उन्हें सांवले रंग का दिखाया जाता है और भगवान श्री कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतना को जन्माष्टमी के दिन जन्मे शीशुओं को स्तन से विषपान करवाकर मरवाने के लिये भेजा तो श्री कृष्ण ने विषपान तो किया लेकिन भगवन का क्या बिगड़ना था, पुतना तो मारी गई लेकिन बाल गोपाल विषपान करने से श्याम वर्ण के हो गये। अब उन्हें यह चिंता सताने लगी कि इस श्याम रंग के साथ प्रिय सखी राधा सहित अन्य गोपियां उन्हें भाव नहीं देंगी। गौर वर्णीय राधा को जब भी वे देखते उन्हें स्वयं का श्याम वर्ण होना अखरने लगता। वे इसकी शिकायत अपनी मैया यशोदा से करते हैं वो गीत तो आपने भी सुना होगा यशोमति मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गौरी मैं क्यूं काला। तो माता उन्हें प्रसन्न करने के लिये सुझाव देती हैं वह भी राधा के मुख पर वैसा ही रंग लगा दे जैसा वे चाहते हैं। बस माता की शय मिलने की देर थी, नटखट श्याम राधा सहित सभी गोपियों को रंगने लग जाते हैं। धीरे-धीरे उनकी यह शरारत फैलने लगती है और ऋतुराज वसंत के इस प्यार भरे मौसम में एक दूसरे पर रंग डालने की यह लीला एक प्रेममयी परंपरा के रूप में हर साल फाल्गुन के महीने में निभायी जाने लगती है। होली के दिनों में मथुरा वृंदावन का नजारा तो आज भी देखते ही बनता है।

क्या है महत्व

वैसे यह श्री राधा व भगवान श्री कृष्ण की होली पर खेली गई यह प्रेम लीला एक प्रतीक भर है कि यह रंग कोई भौतिक रंग नहीं है बल्कि भक्ति का रंग है। भगवान का रंग है, सद्भावना का रंग है, विश्वास का रंग है जिनसे होली खेली जाती है। और जो होली जलाई जाती है वह संदेह की, अंहकार की, वैरभाव की, ईर्ष्या की होली जलाई जाती है जिसके उपरांत ही निष्काम प्रेम की कामना पूर्ण होती है और अपने आराध्य श्री कृष्ण की अपने ठाकुर जी की कृपा प्राप्त होती है।

क्या वीर पहाड़िया को डेट कर रही हैं मानुषी छिल्लर? अभिनेत्री ने बताया सच

मानुषी छिल्लर और वीर पहाड़िया के बीच कथित रोमांस की खबरें पिछले काफी समय से सुर्खियों में हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने आखिरकार इस पर सफाई दे दी है। पूर्व मिस वर्ल्ड ने डेटिंग की अटकलों को सिरे से नकारते हुए वीर को अपना अच्छा दोस्त बताया है और इससे ज्यादा कुछ नहीं। कई बार दोनों को साथ देखे जाने के बावजूद, मानुषी ने साफ तौर पर कहा कि उनके बीच कोई रोमांस नहीं है, बस एक मजबूत दोस्ती है।

अफवाहों का किया खंडन

मानुषी छिल्लर ने वीर पहाड़िया के साथ बिताए गए समय के बारे में भी बात की। अभिनेत्री ने इंटरव्यू के दौरान अपने निजी जीवन के बारे में चल रही चर्चाओं के बारे में बात करते हुए कहा, मेरे निजी जीवन के बारे में लिखी गई बहुत सी बातें पूरी तरह से झूठी हैं और इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।

दोस्ती को गलत समझ लेते हैं लोग

अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर फैंस के बीच लगातार बनी रहने वाली चर्चा के बारे में बात करते हुए मानुषी ने बताया कि कैसे लोगों की धारणा अक्सर दोस्ती को गलत तरीके से पेश करती है। उन्होंने कहा, अगर मैं अपनी फीमेल फ्रेंड्स के साथ बहुत ज्यादा समय बिताती हूं तो क्या इसका मतलब यह है कि मुझे लड़कों में कोई दिलचस्पी नहीं है? और अगर मैं किसी मेल फ्रेंड्स के साथ घूमती हूं तो क्या इसका मतलब यह है कि हम डेटिंग कर रहे हैं?

निजी जिंदगी को निजी रखना पसंद करती हैं मानुषी

हालांकि, उन्होंने इन अटकलों पर सहमति भी जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें यह देखकर मजा आता है कि लोग अभी भी लोगों को यह स्वीकार करने में मुश्किलें आती हैं कि एक लड़का और लड़की सिर्फ दोस्त हो सकते हैं। मानुषी ने यह भी बताया कि वह अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना पसंद करती हैं, लेकिन इसका नकारात्मक पक्ष यह है कि इससे झूठी कहानियों को फैलने का मौका मिलता है।

वीर पहाड़िया को बताया अच्छा दोस्त

वीर पहाड़िया के साथ नाम जुड़ने की खबरों के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने हंसते हुए जवाब दिया, हे भगवान, बेचारा वीर। ऐसा नहीं हो सकता। नहीं, हम डेटिंग नहीं कर रहे हैं, बिल्कुल नहीं। वह एक अच्छे दोस्त हैं। वह इतने प्यारे थे कि उन्होंने मुझे एक शादी के दौरान कंपनी दी, जहां मैं किसी को नहीं जानती थी। बस इतना ही। उनके साथ मेरी सिर्फ यही बातचीत है।

लव एंड वॉर के लिए कड़ी मेहनत कर रहे रणबीर

अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। फिल्म लव ट्रायंगल है, जिसकी वजह से लोग इस फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हैं। रणबीर और आलिया की जोड़ी ब्रह्मास्त्र के बाद इस फिल्म में साथ नजर आने वाली है। वहीं, राजी के बाद आलिया और विक्की एक साथ दिखने वाले हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक रणबीर कपूर इस फिल्म के लिए काफी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में उनके ट्रेनर ने सोशल मीडिया पर रणबीर की एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह फ्रंट लिवर पुल-अप करते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में रणबीर बिना शर्ट के अपने सिक्स पैक्स और मसल्स को दिखाते नजर आ रहे हैं। उनकी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। फैंस इस फोटो पर ढेर सारे हार्ट और फायर इमोजी साझा कर अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, अद्भुत तो दूसरे ने कमेंट करते हुए लिखा, तबाही।

इफ्फी में रणबीर ने की थी भंसाली की जमकर तारीफ

कुछ महीने पहले रणबीर ने गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (इफ्फी) के दौरान लव एंड वॉर और संजय लीला भंसाली के साथ फिर से काम करने को लेकर अपने उत्साह का इजहार किया था। रणबीर ने कहा था, मैं बहुत उत्साहित हूं। वह मेरे गॉडफादर हैं। जो कुछ भी मुझे फिल्मों के बारे में पता है, जो कुछ भी मैं अभिनय के बारे में जानता हूं, वह सब कुछ मैंने उनसे ही सीखा है। उन्होंने आगे कहा, वह बिल्कुल नहीं बदले हैं। वह बेहद मेहनती हैं और हमेशा अपने फिल्मों के बारे में ही सोचते रहते हैं। वह सिर्फ अपने किरदार के बारे में बात करना चाहते हैं और चाहते हैं कि आप कुछ नया करें।

लापता लेडीज के लिए आईफा अवॉर्ड मिलने पर प्रतिभा ने जताई खुशी

किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म लापता लेडीज की झोली में कई सारे आईफा अवॉर्ड्स आए हैं। एक अवॉर्ड प्रतिभा रांटा को भी मिला है। उन्हें बेस्ट डेब्यू (फीमेल) के लिए आईफा मिला। इस पर प्रतिभा ने खुशी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर एक नोट लिखा है। प्रतिभा का कहना है कि उनके लिए यह एक सपना सच होने जैसा है। प्रतिभा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। साझा की गई तस्वीरों में वे अपनी आईफा ट्रॉफी को चूमती नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा है, किसी ऐसी चीज के लिए स्वीकृति पाना एक खूबसूरत एहसास है, जिसे आप सचमुच प्यार करते हैं। मुझे बेस्ट डेब्यू फीमेल अवॉर्ड से सम्मानित करने के लिए आईफा का शुक्रिया। यह सचमुच एक सपने के सच होने जैसा है।

फिर साथ आएगी 'तनु वेड्स मनु' की जोड़ी, कंगना ने खत्म की माधवन के साथ अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

फिल्म 'तनु वेड्स मनु' की सुपरहिट जोड़ी कंगना रनौत और आर माधवन एक बार फिर एक साथ आ रहे हैं। दोनों की नई फिल्म की शूटिंग भी पूरी हो गई है। जिसकी जानकारी अभिनेत्री कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करके दी है। हालांकि, फिल्म के टाइटल का अब तक खुलासा नहीं हुआ है। इस अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग के खत्म होने के बाद कंगना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में कंगना भीगी नजर आ रही हैं और उनके साथ निर्देशक विजय और बाकी के सदस्य पोज दे रहे हैं। तस्वीर में कंगना काफी खुश नजर आ रही हैं। फोटो शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, मेरे कुछ पसंदीदा कलाकारों के साथ आज अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग पूरी की। मिलते हैं सिनेमाघरों में।

कंगना ने 2023 में की थी फिल्म की घोषणा

कंगना 2015 में आई हिट फिल्म 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' के लगभग एक दशक के बाद अभिनेता आर माधवन के साथ नजर आएंगी। एएल विजय द्वारा निर्देशित इस पैन इंडिया मनौवैज्ञानिक थ्रिलर की घोषणा कंगना रनौत ने साल 2023 में की थी।

10 साल बाद साथ में नजर आएंगे कंगना-माधवन

कंगना रनौत और आर माधवन इससे पहले 2011 में आई 'तनु वेड्स मनु' और 2015 में आई 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' में एक साथ नजर आए थे। इसके बाद दोनों किसी भी फिल्म में साथ में नजर नहीं आए। हालांकि, दोनों आपस में अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते हैं।

100 करोड़ रुपये के भारी बजट में बन रही तुम्बाड 2

तुम्बाड अपनी मूल रिलीज के छह साल बाद बॉक्स ऑफिस पर पैसे कमाने वाली फिल्म साबित हुई। प्रशंसकों की मांग पूरी हुई और सोहम शाह ने लोक कथाओं पर आधारित सुपरनैचुरल थ्रिलर के सीक्वल की घोषणा की। वहीं, अब फिल्म की शूटिंग को लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है। सोहम शाह हाल ही में क्रेजी में नजर आए हैं, लेकिन फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही है। वहीं, इस बीच अब सोहम ने अपनी ध्यान तुम्बाड के सीक्वल पर लगा दिया है।

फिल्म का बजट

तुम्बाड का सीक्वल 100 करोड़ रुपये के बजट पर बना है। तुम्बाड की दूसरी किस्त फिल्म के थिएटर में फिर से रिलीज होने के बाद आई है। दिलचस्प बात यह है कि मूल फिल्म तुम्बाड ने बजट में रहने के लिए कड़ी मेहनत की और जब यह निर्माण में थी, तब इसे वितरक भी नहीं मिले तो सोहम शाह को खुद फिल्म में पैसे लगाने पड़े। हालांकि, अब कुछ स्टूडियो ने 100 करोड़ रुपये का बजट होने के बावजूद, सीक्वल के लिए रुचि दिखाई है।

फिल्म की शूटिंग

तुम्बाड सीक्वल की शूटिंग 2025 में ही शुरू हो जाएगी। इसकी शूटिंग गर्मियों के अंत में शुरू होने की संभावना है। तुम्बाड 2 की कहानी पक्की हो गई है। फिल्म के लिए प्री-प्रोडक्शन का काम भी शुरू हो गया है, जिससे संकेत मिलते हैं कि तुम्बाड 2 जल्द ही फ्लोर पर आ जाएगी। हालांकि, इस बीच फिल्म के सीक्वल को लेकर कुछ विवाद की खबरें भी सामने आई थीं।

फिल्म के सीक्वल पर विवाद

तुम्बाड के निर्देशक राही अनिल बर्वे और सोहम शाह ने तुम्बाड को लेकर विपरीत बयान दिए हैं। अभिनेता का दावा है कि तुम्बाड की कभी भी सीक्वल के रूप में कल्पना नहीं की गई थी और इसे एक स्टैंडअलोन फिल्म माना जाता था। वहीं, निर्देशक राही अनिल बर्वे का एक अलग विचार था। उन्होंने कहा था कि तुम्बाड हमेशा एक ट्राइलॉजी का पहला भाग था और जब उन्होंने ट्राइलॉजी की कहानियों को लिखा था।

सलमान से लेकर शाहरुख तक, फीस के मामले में सबसे आगे हैं ये बॉलीवुड सितारे

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कुछ अभिनेता अभिनय के अलावा अपनी फीस की वजह से भी चर्चा में रहते हैं। हाल ही में सलमान खान को लेकर ये बात सामने आई थी कि उन्होंने सिकंदर के लिए 120 करोड़ की फीस ली है। सलमान की फीस पर लगातार हो रही चर्चा के बीच आज हम आपको बॉलीवुड के उन प्रमुख सितारों के बारे में बताएंगे जो अपनी फीस के मामले में सबसे आगे हैं।

सलमान खान

सलमान खान का नाम बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में शुमार है। उनकी फीस भी किसी से कम नहीं है। सलमान खान प्रति फिल्म 100 करोड़ रुपये से लेकर 150 करोड़ रुपये तक की फीस लेते हैं। 2023 में रिलीज हुई टाइगर 3 में सलमान ने शानदार अदाकारी दिखाई। इसके लिए उन्हें 100 करोड़ रुपये से अधिक की फीस मिली। सलमान की फिल्मों का दर्शकों को हमेशा बेसब्री से इंतजार रहता है। इन दिनों वह सिकंदर के लिए ली गई फीस की वजह से भी चर्चा में हैं।

शाहरुख खान

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की बात करें तो वह उन सितारों में शुमार हैं, जिनकी फीस की काफी चर्चा होती है। किंग खान की हर फिल्म के लिए फीस का आंकड़ा 150 करोड़ रुपये से लेकर 250 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। 2023 में शाहरुख खान ने धमाकेदार वापसी की थी। उन्होंने लगातार तीन हिट फिल्में पठान, जवान, और डंकी दीं। इन तीनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की और शाहरुख की स्टार पावर को और भी मजबूत किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जवान के लिए शाहरुख ने लगभग 100 करोड़ रुपये की फीस ली थी।

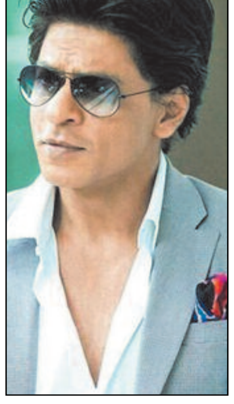

आमिर खान

आमिर खान अपने किरदारों की गहरी तैयारी और हर फिल्म में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए जाने जाते हैं। वह बॉलीवुड के सबसे महंगे अभिनेताओं में से एक हैं। आमिर खान की फीस 100 करोड़ रुपये से लेकर 275 करोड़ रुपये तक होती है। 2017 में दंगल के लिए उन्होंने 275 करोड़ रुपये कमाए थे। उनकी ये कमाई प्रॉफिट-शेयरिंग एग्रीमेंट के तहत हुई थी।

अक्षय कुमार

अक्षय कुमार का नाम बॉलीवुड के सबसे मेहनती और सबसे व्यस्त अभिनेता के रूप में लिया जाता है। वह हर साल कई फिल्मों में काम करते हैं। उनकी फीस भी काफी ज्यादा होती है। अक्षय कुमार की फीस प्रति फिल्म 60 करोड़ रुपये से लेकर 145 करोड़ रुपये तक हो सकती है।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673